संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 58
पृष्ठ 8
शनिवार
16 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर पर कार्टन और....

विचार- जलवायु सम्मेलनः बड़े ....

खेल- इंग्लैंड के खिलाफ तीन....

सीएम योगी श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 555वें प्रकाश पर्व में हुए शामिल, कहा-

महान परंपराएं ही समाज और राष्ट्र को अपनी विरासत से जोड़ती हैं

● गुरु नानक देव जी ने हम सभी को लगातार प्रेरित किया, साथ ही सन्मार्ग पर चलने का संदेश दिया

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि ईश्वर की आराधना के प्रति श्री गुरु नानक देव जी ने हम सभी को लगातार प्रेरित किया, साथ ही सन्मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यही परंपरा आगे चलकर भक्ति से शक्ति के तेज पुंज के रूप में बदल गई और गुरु गोविंद सिंह महाराज के नेतृत्व में इसे नए आयाम मिले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आलमबाग एवं गुरुद्वारा पटेल नगर में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 555वें प्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। एक बयान में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच वर्ष पूर्व गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री आवास पर कीर्तन यात्रा का आयोजन किया गया था जिसे उन्होंने सौभाग्यशाली बताया। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से गुरु गोविंद सिंह जी के चार साहिबजादों के वीर बलिदानी दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 दिसंबर की तिथि को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा कर, इसे राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम घोषित किया। यह कार्यक्रम आज की युवा पीढ़ी को देश और धर्म से जोड़ने के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी।'' उन्होंने कहा कि ये महान परंपराएं समाज और राष्ट्र को अपनी विरासत से जोड़ने के साथ प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अपनी विरासत और आदर्शों से प्रेरणा लेने वाला समाज कभी गुलाम नहीं हो सकता है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरित होकर समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करने की उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

आदिवासियों ने 'राजकुमार राम' को 'भगवान राम' बनाया : मोदी

जमुई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी समाज को 'राजकुमार राम' को 'भगवान राम' बनाने का श्रेय दिया वहीं देश की पूर्ववर्ती सरकारों पर आदिवासियों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि जिनको किसी ने नहीं पूछा उनको मोदी पूजता है। श्री मोदी ने शुक्रवार को यहां बल्लोपुर गांव में बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में आदिवासियों के लिए 6640 करोड़ रुपये की अलग-अलग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में कहा, "आदिवासी समाज वह है, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज ने भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए, सैकड़ों सालों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के योगदान को मिटाने के लिए कोशिश की गई। इसके पीछे भी स्वार्थ भरी राजनीति थी। राजनीति यह कि भारत की आजादी के लिए केवल एक ही दल को श्रेय दिया जाए।" प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने आदिवासी समाज की मुश्किलें कम करने के लिए पीएम जन-मन योजना शुरू की। इसके तहत देश की सबसे पिछड़ी जनजातीय आबादी का विकास हो रहा है। अति पिछड़ी जनजातियों को हजारों पक्के घर दिए हैं। आदिवासी बस्तियों को जोड़ने के लिए पक्की सड़कें बनाई जा रही हैं। सैकड़ों गांवों में हर घर नल से जल पहुंचा है। उन्होंने कहा, "जिनको किसी ने नहीं पूछा, मोदी उनको पूजता है।"

राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष ने की भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज संसद भवन परिसर में स्थित प्रेरणा स्थल पर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उनकी 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारत के उप राष्ट्रपति एवं राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पूर्व श्री ओम बिरला ने एक्स पर संदेश लिखा, "आदिवासी अस्मिता और संस्कृति के गौरव, उलगुलान के प्रणेता, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर सविनय नमन। भगवान बिरसा मुंडा का 150वां जन्मजयंती वर्ष आज से शुरू हो रहा है। जनजातीय गौरव दिवस के इस उपलक्ष्य पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं। भगवान बिरसा देश, समाज और संस्कृति के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर देने वाले महानायक थे। उनके जीवन आदर्श हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। वर्ष 2021 से 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, ताकि जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की बलिदान को सम्मानित किया जा सके। जनजातीय समुदायों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कई क्रांतिकारी आंदोलनों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह दिवस जनजातीय समुदायों के इतिहास, संस्कृति और धरोहर को सम्मानित करता है, एवं देशभर में एकता, गर्व और जनजातियों का देश की स्वतंत्रता और प्रगति में योगदान के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ उलगुलान (क्रांति) का नेतृत्व किया था और वह बाद में प्रतिरोध का प्रतीक बन गए। भगवान मुंडा का नेतृत्व राष्ट्रीय जागरण का कारण बना, और उनका योगदान जनजातीय समुदायों द्वारा गहरे सम्मान के साथ याद किया जाता है। इस अवसर पर, विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय लोक कलाकारों ने संसद भवन परिसर के प्रेरणा स्थल पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

बिहार में जहरीली शराब पीने से एक की मौत, दो की आंखों की रोशनी प्रभावित

बिहार के सिवान जिले में कथित तौर पर संदिग्ध जहरीली शराब पीने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि दो अन्य लोगों की आंख की रोशनी प्रभावित हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि शुक्रवार सुबह पौने आठ बजे उसे सूचना मिली कि लकड़ीनवीगंज थाना क्षेत्र के नवीगंज टोले के उमेश राय को धुंधला दिखाई दे रहा है, जिसने कल रात किसी नशीले पदार्थ का सेवन किया था। पुलिस के अनुसार जांच में पाया गया कि उमेश राय, अमरजीत राय एवं अशोक राय ने अमरजीत राय के घर पर संदिग्ध जहरीली शराब पी थी। तबीयत बिगड़ने पर तीनों को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया और वहां से फिर उन्हें सिवान मुख्यालय के एक अस्पताल में ले जाया गया। ईलाज के दौरान अमरजीत राय की मृत्यु हो गई है। पुलिस के मुताबिक अस्पताल में भर्ती उमेश राय ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने देसी शराब का सेवन किया था जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ी।

जाति जनगणना से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा : राहुल गांधी

रांची,15 नवंबर (वार्ता) कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज गोड्डा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। श्री गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी से नहीं डरती है।मोदी अरबपतियों की कठपुतली हैं। जैसे अरबपति चाहते हैं वो बिल्कुल वैसा करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि मोदी ने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये माफ किये हैं लेकिन किसानों के एक रुपये माफ नहीं किए। उन्होंने एक बार फिर जाति जनगणना पर जोर देते हुए कहा कि जाति जनगणना से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत की आरक्षण की दीवार हम तोड़ कर रहेंगे।हम लोकसभा में जातीय जनगणना का बिल पास करवा के रहेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में एसटी का आरक्षण 24 प्रतिशत से बढ़ाकर 26प्रतिशत करेंगे। श्री गांधी ने कहा कि सरकार बनने के बाद हर महिला को 2500 रुपये खाते के जरिये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 450 रुपये गैस सिलेंडर दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा लोगों को सरकार बनने के बाद हम 15 लाख का स्वास्थ्य बीमा देंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को बेरोजगारी के मुद्दे पर घेरते हुए कहा कि मोदी सरकार में बेरोजगारी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद हर साल 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का काम करेगी। कहा कि नोटबंदी ने छोटे कारोबारियों को खत्म कर दिया। अडाणी और अंबानी के लिए रास्ता खोल दिया। झारखंड में सरकार बनने के बाद हर जिले में डिग्री कॉलेज और प्रोफेश्नल कोर्स के कॉलेज खोले जाएंगे।

केजरीवाल ने कांग्रेस के पूर्व विधायक वीर सिंह धींगान का आप में किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के पूर्व नेता वीर सिंह धींगान को शुक्रवार को पार्टी में शामिल किया और उन्हें सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र से भावी विधायक करार दिया। धींगान दलित नेता हैं और कांग्रेस के टिकट पर सीमापुरी (सुरक्षित) से तीन बार विधायक रह चुके हैं। आगामी चुनावों में वह आम आदमी पार्टी (आप) के टिकट पर अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय में धींगान का स्वागत करते हुए कहा कि वह एक अनुभवी नेता हैं और उन्हें सीमापुरी निर्वाचन क्षेत्र के भावी विधायक के रूप में देखा जा सकता है। इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पहले आप के पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम करते थे। गौतम ने आम आदमी पार्टी पर दलित और अल्पसंख्यक नेताओं के खिलाफ भेदभाव का आरोप लगाया था और वह सितंबर में पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

गुजरात के तट के निकट 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त, आठ ईरानी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों के एक संयुक्त अभियान के तहत शुक्रवार को गुजरात के तट के पास लगभग 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त होने के बाद आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बयान जारी कर कहा कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर सागर मंथन – 4 नाम से एक अभियान शुरू किया गया था। इस दौरान नौसेना ने एक जहाज की पहचान की और उसे रोक दिया। एनसीबी ने कहा कि भारतीय जलक्षेत्र में लगभग 700 किलोग्राम 'मेथामफेटामाइन' की बड़ी खेप जब्त की गई। इस अभियान के दौरान आठ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने खुद को ईरानी बताया है। अभियान को एनसीबी, नौसेना और गुजरात पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह अभियान हमारी एजेंसियों के बीच सहज समन्वय का एक शानदार उदाहरण है।

शाह ने दिल्ली में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्ववर्ती सरकारों पर आदिवासी महानायकों के स्वाधीनता संग्राम में दिये गये बलिदान और समाज के निर्माण में योगदान की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ने आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान की दिशा में अनेक कदम उठाये हैं और कई योजनाएं शुरू की हैं। श्री शाह ने आज यहां जनजातीय गौरव दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर बांसेरा उद्यान में भगवान बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा का अनावरण करने के अवसर पर यह बात कही। यह प्रतिमा सराय कालेखां बस अड्डे के सामने रिंग रोड के निकट बने उद्यान में स्थापित की गयी है। इस अवसर पर निकट के चौक का नाम भी भगवान बिरसा मुंडा चौराहा रखा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के केन्द्र में अंतिम बजट जनजातियों के विकास के लिए 28000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था जबकि मोदी सरकार के 2024-25 के बजट में यह राशि बढकर एक लाख 33 हजार करोड़ रुपये पहुंच गयी है। आदिवासी प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में आदिवासी गांवों में सभी बुनियादी सुविधाएं पहुंचायी गयी हैं । आदिवासी क्षेत्रों में 708 रेसिडेंशियल मॉडल स्कूल बनाए गये हैं। प्रधानमंत्री विकास मिशन में 15000 करोड़ रुपये और जनजातीय उन्नत ग्राम योजना से गांवों को संपूर्ण रूप से विकसित करने के लिए और 24000 करोड़ रुपया दिया गया है। मोदी सरकार ने देश भर में 20 आदिवासी संग्रहालय बनाने की घोषणा की थी जो वर्ष 2026 तक बन कर तैयार हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि महान राष्ट्रीय नायक भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की उम्र में इंग्लैंड की महारानी के महल तक आदिवासी और भारतीयों की आवाज को बुलंद करने का काम किया था तथा अपना बलिदान दिया था। उन्होंने कहा," आज हम सब भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देते हैं और उनके जीवन से हम उनके सारे गुना को आत्मसात करके देश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हैं।" श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने वर्ष 2021 में आज के दिन को हमेशा के लिए आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था क्योंकि आज के दिन यहां से बहुत दूर एक जनजातीय गांव में भगवान बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था।

शरद पवार ने पीएम पर लगाया समाज को बांटने का आरोप, कहा-

भाजपा से गठबंधन करने वालों से कोई संबंध नहीं

पुणे,एजेंसी। विपक्ष के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर समाज को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री के चुनावी भाषणोंकी आलोचना की। उनसे जब पूछा गया कि क्या चुनाव के बाद उनके और उनके भतीजे अजित पवार के बीच सुलह हो सकती है।

13 दिसंबर को आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 6500 करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

प्रयागराज। महाकुंभ से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को प्रयाग पधारेंगे। वह यहां करीब चार घंटे रहेंगे। इसमें श्रृंग्वेरपुर धाम से लेकर मेला क्षेत्र में करीब 6500 करोड़ की 150 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बृहस्पतिवार को पीएमओ में महाकुंभ की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस बैठक को पीएम के आगमन की ही तैयारी माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के महाकुंभ से पहले आगमन को लेकर अफसर खुलकर भले कुछ नहीं कह रहे, लेकिन पीएमओ से इसकी हरी झंडी मिलने के बाद तैयारी में जरूर जुट गए हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री पहले श्रृंग्वेरपुर धाम जाएंगे, जहां भगवान राम और निषादराज के मिलन की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। यहां निषादराज पार्क और घाट आदि का निर्माण भी पूरा हो चुका है। इनमें करीब 165 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। करीब आधे घंटे तक यहां रहेंगे और श्रृंग्वेरपुर धाम में पूजन और लोकार्पण करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री का मेला क्षेत्र में करीब तीन घंटे से अधिक का कार्यक्रम है। इस दौरान वह करीब साढ़े छह हजार करोड़ की 150 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसमें महाकुंभ के अंतर्गत 2500 करोड़ की 110 परियोजनाएं भी शामिल हैं। लोकार्पण वाली परियोजनाओं की प्रारंभिक सूची भी मेला प्रशासन ने पीएमओ को भेज दी है। बताते हैं कि इनमें संशोधन का क्रम भी जारी है। यह सूची और बड़ी हो सकती है। प्रधानमंत्री यहां गंगा पूजन, अक्षयवट, पातालपुरी, बड़े हनुमानजी आदि का दर्शन एवं पूजन कर सकते हैं। इसके बाद परेड मैदान में सभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी देंगे। एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय से मिले संकेतों के आधार पर कार्यक्रमों की तैयारी शुरू कर दी गई है। पीएम से पहले नवंबर के आखिरी हफ्ते में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम भी संभावित है। तभी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की घोषणा होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के निजी सचिव पीके मिश्रा की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई समीक्षा बैठक में महाकुंभ के सभी कार्यों को 10 दिसंबर तक पूरा कर लेने की बात कही गई।

महाकुंभ के लिए शासन की ओर से 2100 करोड़ की मांग केंद्र से की गई है। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने पीएमओ कार्यालय में हुई बैठक में महाकुंभ आयोजन की पूरी रूपरेखा प्रस्तुत की। इस पर प्रधानमंत्री के निजी सचिव ने 10 दिसंबर तक मानक के अनुरूप सभी काम पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में देश–विदेश के मेहमानों को महाकुंभ का निमंत्रण भेजे जाने, विदेश में आयोजन की ब्रांडिंग समेत अन्य बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि बैठक में महाकुंभ के सभी कार्यों की समीक्षा की गई। पीएमओ को अब तक की तैयारियों और आगे की योजनाओं के बारे में बताया गया है। 10 दिसंबर तक सभी काम पूरे हो जाएंगे।

एक ही दिन में दो पालियों में होगी परीक्षा, यूपीपीएससी ने नई तिथि घोषित की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने प्रतियोगी छात्रों की मांगों को ध्यान में रखते हुए पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तिथि को बदलते हुए नई तिथि 22 दिसंबर घोषित की है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतियोगी छात्रों की मांग को ध्यान में रखते हुए की गई पहल के

बाद लिया गया है। प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, अब यह परीक्षा एक ही दिन में संपन्न कराई जाएगी। पहले यह परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो दिनों में आयोजित होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक ही दिन में दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। इस संशोधन के बाद पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर को सुबह 9रू30 बजे से 11रू30 बजे और दोपहर 2रू30 बजे से 4रू30 बजे तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इस निर्णय से प्रतियोगी छात्रों को अब एक ही दिन में परीक्षा देनी होगी, जिससे उनके यात्रा और समय की समस्या को हल किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतियोगी छात्रों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए आयोग को इस संबंध में उचित कदम उठाने के लिए कहा था। सीएम योगी की पहल के बाद आयोग ने छात्रों की मांगों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए परीक्षा की तिथि में बदलाव किया है।

प्रयागराज में फंदे पर लटकती मिली विवाहिता: पति मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी करता है, पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

प्रयागराज। प्रयागराज के हंडिया थाना अंतर्गत आने वाले अरांव गांव में एक विवाहिता ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली स परिजनों ने जब कमरे के अंदर देखा तो उनके होश उड़ गए और रोने बिलखने लगे जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई स सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मिली जानकारी के अनुसार अरांव गांव निवासी एक महिला ने अपने कमरे मे फांसी लगा ली स परिवार के लोग खेत में धान की कटाई करने गए थेस खेत से परिजन घर वापस आए तो कमरे के अंदर फंदे से लटक रही महिला को देख उनके होश उड़ गए स देर रात घटना की जानकारी पुलिस को हुई तो वो मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल एसआरएन प्रयागराज भेज दिया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार तीन वर्ष पहले उसकी शादी हुई थी अभी तक उसे कोई संतान नहीं हुई थी। महिला का पति मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था स विवाहिता ने फांसी किन परिस्थितियों में लगाई है पुलिस इसकी जांच पड़ताल कर रही है स इस संबंध में जानकारी हेतु चौकी इंचार्ज बरौत को फोन करने पर उनका फोन नही रिसीव हुआ ।

ओबीसी वोटरों को साधने में जुटे अखिलेश: प्रयागराज में आरक्षण मुद्दे पर जमकर किया प्रहार

प्रयागराज। प्रयागराज के फूलपुर में होने वाले उपचुनाव को देखते हुए गुरुवार को संगम नगरी पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ओबीसी वोटरों को साधने में कोई कसर नहीं छोड़ी। संविधान बचाने और आरक्षण के मुद्दे पर वह जमकर बोले। कहा कि भाजपा की नीति है कि वह आरक्षण खत्म करे। उन्होंने किसी वर्ग विशेष का जिक्र किए बगैर पीडीए को लेकर बोला कि इस वर्ग के लोगों का सलेक्शन नहीं होता है। समाजवादी पार्टी के समर्थकों ने भी अखिलेश यादव के बयान पर जमकर तालियां बजायी। चुनावी जनसभा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने युवाओं को साधते हुए कहा कि जहां यह सरकार एक तरफ युवाओं का भविष्य खराब करने में जुटी है। वहीं आज युवा सड़क पर उतरे हैं। जिनको अधिकारी बनना है, वह सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। अखिलेश ने फूलपुर के युवाओं को आगे आकर वोट देने और भाजपा की सत्ता को खत्म करने की बात कही। हा कि यह चुनाव 2027 में होने वाले विधान सभा चुनाव का रिहर्सल है।

प्रयागराज में कारोबारी को धमकी: कहा- 50 हजार हर महीने दो, वरना बुरा हाल होगाय रेस्टोरेंट में पार्टनरशिप को लेकर विवाद, FIR दर्ज

प्रयागराज।प्रयागराज की सिविल लाइंस के एक रेस्टोरेंट को लेकर पार्टनशिप का विवाद अब बढ़ गया है। करेली के रहने वाले कारोबारी को रेस्टोरेंट में पार्टनर बनाने या 50 हजार रुपए महीना रंगदारी देने की धमकी दी गई है। ऐसा न करने पर अंजाम बुरा होने की बात कही है। कारोबारी को जान से मारने की धमकी मिली है। कारोबारी ने करेली थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस मुकदमा लिखकर जांच कर रही है। करेली में जीटीबीनगर के रहने वाले हमजा महमूद ने तहरीर दी है कि वे सिविल लाइन्स स्थित खानसामा रेस्टोरेंट के मालिक हैं। 2016 में रेस्टोरेंट खोलते समय परिचित मोहम्मद महमूद सिद्दीकी निवासी राजापुर ने कहा इस समय मेरा पानी वाला धंधा खराब चल रहा है। इस पर पीड़ित ने आरोपी को 30,000 रुपये महीना पर मैनेजर रख लिया। रेस्टोरेंट काफी अच्छा चलने तो यह देख महमूद की नीयत खराब होने लगी। आरोपी पैसों की हेराफेरी करने लगता था। इस पर हमजा ने उसे नौकरी से निकाल दिया। इसके चलते आरोपी महमूद हमजा से खुन्नस रखने लगा। कहीं भी मिलने पर गाड़ी रुकवा कर धमकाता कि मुझे अपना रेस्टोरेंट चलाने दो या मुझे 25 प्रतिशत का पार्टनर बनाओं। हमजा का आरोप है कि दो नवंबर की सायं अपने बच्चों को करेली स्थित अपने घर छोड़कर बक्शी मोड़ा किसी काम से जा रहा था। तभी महमूद अपने एक अन्य साथी के साथ सफेद रंग की कार से पीछा कर लिया। आगे जाकर गाड़ी रुकवा ली। महमूद अपने साथी के साथ उतरा और धमकाया कि तुमको सिविल लाइन्स के अन्दर रेस्टोरेंट चलाना है तो 50 हजार रुपए महीना दो या पार्टनर रखो। वरना तुमको जान से मार दूंगा। आरोपियों ने हमजा को पीटा भी और फोन छीनकर जमीन में पटक दिया। तहरीर पर करेली पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

बुझकर भी उप चुनाव पर असर डालेगी छात्र आंदोलन की आग, नया सियासी गुल खिला सकती है

प्रयागराज। यूपी में नौ सीटों पर होने वाले विधानसभा उप चुनाव से पहले लोक सेवा आयोग के सामने नार्मलाइजेशन के विरोध में प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन की आग भले ठंडी की जा रही है, लेकिन इसकी सियासी आंच समीकरणों पर असर डाल सकती है। इस आंदोलन ने पूरे प्रदेश की राजनीति को तो प्रभावित किया ही है, हर वर्ग का ध्यान भी खींचा है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह आंदोलन खत्म होकर भी नए सियासी गुल खिला सकता है। नार्मलाइजेशन के खिलाफ चार दिन से लोक सेवा आयोग के सामने दिन रात डटे रहने वाले प्रतियोगी छात्रों के आगे लोक सेवा आयोग बैकफुट पर आ गया है। उप चुनाव के बीच इस आंदोलन को लेकर जिस तरह विपक्ष हवा देने में जुटा था, उसे लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार के कान खड़े हो गए थे। कहा जा रहा है कि उप चुनाव के बीच गलत संदेश जाने से रोकने के लिए मुख्यमंत्री योगी ने खुद इस मामले में हस्तक्षेप कर आंदोलनकारी छात्रों को यह जताने की कोशिश की है कि सरकार उनके साथ है और प्रतियोगी छात्रों के हितों से किसी भी दशा में खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। लेकिन, अचानक लोक सेवा आयोग के अड़ियल रवैये में बदलाव आने और आयोग के बैकफुट पर जाने के अब निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि अभी आयोग ने पीसीएस प्री के सवाल पर प्रतियोगियोंयुवा की बात मानी है। आरओ , एआरओ को लेकर छात्र अभी भी आयोग के सामने डटे हुए हैं। ऐसे में अगर सरकार ने दिल बड़ा नहीं किया आंदोलन और भी बड़ा रूप ले सकता है। ऐसे में यूपी की नौ सीटों पर हो रहे उप चुनाव पर इस आंदोलन का असर पड़ने से इन्कार नहीं किया जा सकता।

अखाड़ों में दो सौ से अधिक खालसे बढ़े, नए महामंडलेश्वरों-महंतों में इजाफा

प्रयागराज। महाकुंभ में विश्व समुदाय के बीच सबसे बड़े आकर्षण के रूप में नजर आने वाले अखाड़ों के संत और नागा संन्यासी इस बार भूमि घटने से गुस्से में हैं। बृहस्पतिवार को अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने मेला प्रशासन की ओर से जारी किए गए नक्शे का वर्ष 2019 के आवंटन से मिलान कराने के बाद ही भूमि आवंटन कराने का निर्णय लिया। अखाड़ा परिषद का कहना है कि जब तक सभी 13 अखाड़ों को मिलने वाली भूमि–सुविधाओं में 25 प्रतिशत की वृद्धि की प्रशासन घोषणा नहीं करेगा, तबतक अखाड़े आवंटन के लिए नहीं जाएंगे। भूमि कम होने से अखाड़ों के संतों में आक्रोश है। अखाड़ों की सबसे बड़ी चिंता ने खालसों, महंतों और महांडलेश्वरों को लेकर है। कहा जा रहा है कि जब पहले से मिलने वाली भूमि –सुविधा में कमी की जा रही है, तब नए खालसों को कहां और कैसे बसाया जाएगा। बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद् पुरी ने बताया कि वर्ष 2019 के मानचित्र से मौजूदा नक्शे का मिलान कराया जा रहा है। इसमें अनुभवी संतों की मदद ली जा रही है। ताकि, भूमि घटने की वजहों को जाना जा सके। अखाड़े के प्रतिनिधियों का कहना है कि आखिर उनकी भूमि चली कहां गई, इसकी पैमाइश और जांच कराई जानी चाहिए, ताकि असलियत सामने आ सके। कहा जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों में जहां नए महंतों, महामंडलेश्वरों और खालसों की संख्या बढ़ गई है, वहीं भूमि कम हो जाने से बसावट को लेकर बड़ा संकट पैदा होने की आशंका है। जूना अखाड़े में ही तीन सौ से अधिक महामंडलेश्वर और महंतों का पट्टाभिषेक होने वाला है। इसी तरह सभी अखाड़ों में महंतों, महामंडलेश्वरों और खालसों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे नए महामंडलेश्वरों और महंतों के आवेदन भी अखाड़ों में आ रहे हैं। ऐसे में भूमि सुविधाओं में वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। जब तक 25 प्रतिशत भूमि बढ़ाकर नहीं दी जाएगी, तब तक मेले में अखाड़ों के प्रतिनिधि भूमि आवंटन के लिए कदम नहीं रखेंगे। भूमि कम होने के बाद सभी अखाड़ों में नाराजगी है। सवाल है कि जब पिछले कुंभ की तुलना में इस बार मेले का विस्तार किया गया है। भूमि का रकबा भी बढ़ाया गया है, तब अखाड़ों की भूमि कैसे कम पड़ रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुद नजर रखनी चाहिए।

आजमगढ़ एसडीएम के आदेश को भ्ने रद्द किया: एसडीएम निजामाबाद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई से पहले दिया सफाई का मौका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसडीएम निजामाबाद आजमगढ़ के उस आदेश को रद्द कर दिया। जिसमें उन्होंने न्यायालय में मामला लंबित होने के बाद भी याची को घर से बेदखल कर दिया था। न्यायालय ने आदेश दिया है कि विवादित घर में 10 दिनों के भीतर याची का कब्जा बहाल किया जाए। इसके साथ ही एसडीएम को 26 नवंबर 2024 को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने और यह बताने का निर्देश दिया है कि याची के अधिकारों में हस्तक्षेप के लिए मामले में कानूनी कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव, उप्र को क्यों नहीं भेजा जाए। यह आदेश मनीष कुमार निगम ने फूलमती की याचिका पर दिया है। इसके साथ ही न्यायालय ने निर्देश दिया है कि अपर आयुक्त (प्रशासन) और अपर आयुक्त (न्यायिक) अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करें और बताएं कि ऐसे आदेश कैसे पारित किए गए थे। 26 नवंबर 2024 को सुनवाई के लिए तिथि नियत की गई है। आजमगढ़ के निजामाबाद की रहने वाली याची फूलमती के घर को लेकर विवाद चल रहा था। सक्षम न्यायालय में मामला लंबित था। इस दौरान सब डिविजनल मजिस्ट्रेट, निजामाबाद ने 25 मार्च 2024 को एक नोटिस जारी कर कहा कि याची का घर पर अवैध रूप से कब्जा है। घर खाली करने और मालिक को कब्जा सौंपने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसका अनुपालन नहीं किया गया है। अंतिम चेतावनी के रूप में आपको निर्देश दिया जाता है ।

वकील जांच एजेंसियों से सीधे संवाद नहीं कर सकते, जब तक उन्हें अदालत से अनुमति न मिले

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि कोई भी वकील जांच अधिकारी व अन्य जांच एजेंसियों से सीधे बातचीत नहीं कर सकता है, जब तक कि अदालत ऐसा आदेश न दे। हालांकि, न्यायमूर्ति समित गोपाल ने यह टिप्पणी कर एसवीओजीएल ऑयल गैस एंड एनर्जी लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक आरोपी

पदम सिंघी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी। गाजियाबाद निवासी पदम सिंघी पर 26 मार्च 2021 को प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत मामला दर्ज किया था। आवेदक सात फरवरी 2024 से जेल में है। आरोपी ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस दौरान आरोपियों के वकील ने ईडी के जांच अधिकारी (आईओ) को दो ईमेल भेजे थे। इसमें उनसे जमानत मामले में जल्द जवाब दाखिल करने का अनुरोध किया था। इस पर न्यायालय ने अधिवक्ता के आचरण पर कड़ी आपत्ति जता कहा कि यदि जवाब दाखिल करने के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है तो सही उपाय यही है कि पीठ को सूचित किया जाए। अदालत ने कहा, ई–मेल भेज अधिकारियों को अदालत के आदेश की याद दिलाना और उनसे इसका अनुपालन करने का अनुरोध करना वकीलों के कर्तव्यों के दायर में नहीं है। इस संबंध में न्यायालय ने अधिवक्ताओं के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के व्यावसायिक आचरण नियमों का भी उल्लेख किया। नियमों में कहा गया है कि कोई भी वकील किसी भी तरह से विवाद के विषय पर किसी भी पक्ष के साथ संवाद या बातचीत नहीं करेगा, सिवाय उस वकील के माध्यम से। हाईकोर्ट ने आरोपी के वकीलों के खिलाफ टिप्पणी प्रवर्तन निदेशालय के वकीलों की आपत्ति पर की।

साइंस व मैथ प्रदर्शनी में दिखी छात्र-छात्राओं की प्रतिभा: प्रयागराज में बच्चों ने तैयार की वायरलेस चार्जिंग मशीन व चंद्रयान का माम्डल

प्रयागराज। झलवा के पं. रामचंद्र मिश्र मेमोरियल पब्लिक स्कूल में बाल वैज्ञानिक एवं गणितज्ञों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन स्वयं निर्मित मॉडलों की प्रदर्शनी में किया। छठवीं कक्षा से लेकर 12 वीं कक्षा तक के छात्र–छात्राओं ने अलग–अलग विषयों पर अपनी प्रतिभाओं के माध्यम से मॉडलों को बनाया। प्रदर्शनी का भ्रमण करने वालों को विस्तार पूर्वक अपने मॉडल से परिचित भी कराया। अनादि काल से भारत में विज्ञान एवं गणित की परंपरा विद्यमान रही है। विज्ञान एवं गणित पर प्रतिभावान बच्चों ने विभिन्न विषयों जैसे कि सस्टेनेबल स्मार्ट सिटी का मॉडल 11वीं कक्षा की रागिनी सिंह , निहारिका ने बनाया। वायरलेस चार्जिंग मशीन कक्षा 11 के हर्ष कुमार, विशेष मिश्रा के द्वारा बनाया गया। चंद्रयान का मॉडल 11 क्लास से जिकरा, मुस्कान, गौरी एवं अंकिता आदि छात्राओं ने बनाया जो कि बहुत ही प्रशंसनीय रहा । कक्षा 6 से अक्षिता सिंह ने हाइड्रोलिक मशीन, शिखा, अविका त्रिपाठी, साक्षी पाल ने सिंचाई सेंसर मशीन एवं रेन डिटेक्टर बनाया। साथ ही गणित विषय पर कक्षा 10 से वैष्णवी सृष्टि कन्नौजिया, खुशी सिंह ने त्रिकोणमिति के अनुप्रयोगों पर आधारित मॉडल बनाया। कक्षा 9 से प्रांशु एवं अभय प्रताप ने ऊंचाई और दूरी को मापने के लिए यंत्र बनाए। राज नन्दनी कक्षा 11 से रोबोटिक और मेडिकल साइंस में ऊंचाई और दूरी का उपयोग सिखाया । मुन्नी कक्षा 12 से अवकलन मशीन के मदद से त्रिकोणमिती प्रतिलोम के विभिन्न ग्राफ को समझाया। इन सभी बच्चों को तैयार करने वाले शिक्षक एवं शिक्षिकाओं जैसे सुनील कुमार, अंजुल पोरवाल, आशुतोष, हरिओम सेन, सौरभ त्रिपाठी, सौरभ श्रीवास्तव, गजेंद्र सिंह, अमरंजू शर्मा, अनामिका श्रीवास्तव आदि थे। प्रदर्शनी का अवलोकन विद्यालय के निदेशक आकाश मिश्र एवं सुभाष मिश्र, प्रधानाचार्य अमित मिश्र एवं अन्य लोगों ने किया।

योगी के मंत्री के अकाउंटेंट से 2.08 करोड़ की ठगीय नंदी के बेटे का फोटो लगाकर किया था ये मैसेजय जानें मामला

प्रयागराज। साइबर ठगों ने सूबे के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से 2.08 करोड़ रुपये ठग लिए। व्हाट्सएप डीपी पर नंदी के बेटे की तस्वीर लगाए ठग ने मैसेज भेजा, मैं जरूरी बिजनेस मीटिंग में हूं। यह मेरा नया नंबर

है, तुरंत पैसे भेजो। अकाउंटेंट ने तुरंत बताए तीन खातों में पैसे भेज दिए। भेद खुलने पर सनसनी मची। साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। ठगी की यह वारदात बुधवार को हुई। मंत्री नंदी के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव के मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से मैसेज आया। डीपी नंदी के बेटे की लगी हुई थी। मैसेज में लिखा था कि यह मेरा नया नंबर है। मैं एक बहुत जरूरी बिजनेस मीटिंग हूं। यह मीटिंग अभी काफी देर तक चलेगी। मुझे कुछ पैसों की तुरंत जरूरत है। इसके बाद साइबर ठगों ने बैंक खातों के तीन नंबर भेजे। कहा, पैसा तुरंत ट्रांसफर कर दो। मैसेज देखने के बाद अकाउंटेंट ने तीन बार में 2.08 करोड़ रुपये बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए। कुछ देर बाद रितेश को पता चला कि मंत्री के बेटे ने इस तरह का कोई मैसेज नहीं भेजा है और न ही अपने खाते में पैसा ही मंगवाया। इसके बाद प्रयागराज से लेकर लखनऊ तक खलबली मची। ठगी की सूचना साइबर सेल थाना पुलिस को बुधवार रात करीब 11रू30 बजे दी गई। मामला कैबिनेट मंत्री से जुड़ा होने के कारण एक बारगी आला पुलिस अधिकारी भी सकते में आ गए। साइबर पुलिस रातभर जालसाजों के बैंक खातों का डिटेल खंगालने में जुटी रही। साइबर पुलिस की जांच में पता चला कि जालसाज ने ठगी के लिए तीन बैंकों के खातों का इस्तेमाल किया है। इनमें आईसीआईसीआई, एचडीएफसी समेत एक अन्य बैंक का खाता शामिल है। साइबर पुलिस ने तीनों खातों की जानकारी बैंक अधिकारियों से मांगी है। साइबर थाना प्रभारी राजीव तिवारी ने बताया कि संबंधित खाते फ्रीज कराने के लिए मेल किया है।

उपचुनाव: मुख्यमंत्री योगी और अखिलेश में सीधी लड़ाई ?

साधे जा रहे जातीय समीकरण

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को उपचुनाव है। उपचुनाव के नतीजों से सरकार पर तो कोई असर पड़ने वाला नही है लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की नाक का सवाल बन चुके हैं।दोनों लीडर पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। यूपी में होने वाले उपचुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। उपचुनाव के नतीजों से सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा लेकिन सियासी पार्टियो ने पूरी शक्ति लगा रखी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी की सीटें कम हुई थीं, बीजेपी अकेले बहुमत का आंकड़ा छूने में नाकाम रही है। 2024 के चुनाव नतीजों के बाद यूपी में पहला चुनाव हो रहा है जिसे यूपी में सत्ताधारी दल बीजेपी और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने अपनी प्रतिष्ठा से जोड़ लिया है।दोनों दल उपचुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। बीजेपी की कमान खुद योगी आदित्यनाथ ने संभाली है तो सपा की ओर अखिलेश चुनावी कैंपेन में जुटे हैं।दोनो नेता समझते हैं कि उपचुनाव के नतीजे उनके सियासी भविष्य को तय करने वाले होंगे।यूपी में जिन 9 सीटों पर विधानसभा के उपचुनाव होने वाले हैं, उनमें 5 सीटों पर बीजेपी और उनके सहयोगी दलों ने 2022 के आम विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की थी। 4 विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी ने जीत दर्ज की थी। मीरापुर सीट रालोद ने सपा के साथ गठबंधन में जीती थी लेकिन अब रालोद ने बीजेपी से गठबंधन कर लिया है। 2022 में एनडीए ने जिन प्रदेश की मझवां, फूलपुर, खैर, गाजियाबाद और मीरापुर विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराया था। समाजवादी पार्टी ने कटेहरी, सीसामऊ, करहल और कुंदरकी विधानसभा सीट पर जीत हासिल की थी। सभी 9 सीटों पर बीजेपी और सपा आमने–सामने हैं। कटेहरी विधानसभा अयोध्या से सटे जिले अंबेडकरनगर की विधानसभा सीट है।लंबे समय से बीजेपी इस सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के लालजी वर्मा इस सीट से विधायक बने लेकिन 2024 में अंबेडकरनगर लोकसभा सीट से सांसद बनने के बाद लालजी वर्मा ने कटेहरी सीट से इस्तीफा दे दिया।इस वजह से यहां उपचुनाव हो रहा है। उपचुनाव में बीजेपी ने धर्मराज निषाद और सपा ने लालजी वर्मा की पत्नी शोभावती वर्मा को टिकट दिया है।बीएसपी ने अमित वर्मा को चुनावी मैदान में उतारा है।मुख्य मुकाबला सपा और बीजेपी के बीच माना जा रहा है।कटेहरी में 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा को 93 हजार 524 वोट मिले थे, जबकि बीजेपी के सहयोगी दल निषाद पार्टी को 85,828 वोट मिले थे और बीएसपी को 58 हजार 482 वोट प्राप्त हुए थे। सपा ने 8 हजार 266 वोटों से कटेहरी सीट जीती थी। उपचुनाव में बीएसपी के वोट बैंक पर दोनो दलों की नजर है, जिसे बीएसपी का वोट ट्रांसफर होगा, वही कटेहरी में जीत दर्ज करेगा।कटेहरी में जातीय समीकरण के अनुसार एससी 87,000 मुस्लिम 50,000,ब्राह्मण 45,000, यादव 29,000 कुर्मी 42,000 निषाद 21,000 ठाकुर प्रजापति 11,000 राजभर 18,000 पाल 5,500 नाई 5,000 विश्वकर्मा 5,000 मौर्य 6,500 और बनिया 13,000 है।नमझवां विधानसभा मिर्जापुर जिले की एक विधानसभा सीट है. 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के सहयोगी दल निषाद पार्टी की तरफ से डॉ विनोद बिंद चुनाव जीते। 2024 के लोकसभा चुनाव में डॉ विनोद बिंद बीजेपी के टिकट पर भदोही से लोकसभा सांसद बन गए और मझवां विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। 2022 के विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी को 1 लाख 3 हजार 235 वोट मिले और सपा को 69 हजार 648 वोट जबकि बीएसपी को 52 हजार 990 वोट मिले

थे।बीजेपी गठबंधन ने इस सीट पर 33 हजार 587 वोटों से जीत हासिल की थी। उपचुनाव में सीधा मुकाबला बीजेपी और सपा के बीच है, लेकिन बीएसपी इस सीट पर मजबूती से चुनाव लड़ती दिखाई दे रही है।बीजेपी ने सुचिस्मिता मौर्य को टिकट दिया है जबकि सपा ने पूर्व सांसद रमेश बिंद की बेटी ज्योति बिंद को उम्मीदवार बनाया है।सपा और बीजेपी दोनों ने ही ओबीसी उम्मीदवारों पर दांव लगाया है, जबकि बीएसपी ने ब्राह्मण चेहरे के तौर पर दीपक तिवारी को टिकट दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में मिर्जापुर लोकसभा सीट पर बीजेपी गठबंधन से अपना दल एस अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने बहुत ही करीबी मुकाबले में जीत हासिल की थी।मझवां का जातीय समीकरण इस प्रकार का है। यहां बिंद 70,000, ब्राह्मण 65,000 कुशवाहा या मौर्य– 35,000 कुर्मी– 25,000 मुस्लिम– 22,000 पाल– 22,000 यादव– 30,000 एससी– 65,000 भूमिहार– 22,000 और ठाकुर– 10,000 हैं।फूलपुर विधानसभा प्रयागराज जिले और फूलपुर लोकसभा की विधानसभा सीट है। फूलपुर पंडित नेहरू की राजनीतिक कर्मभूमि रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में फूलपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी ने चुनाव जीता था।बीजेपी की तरफ से प्रवीण पटेल विधायक बने थे लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रवीण पटेल सांसद बन गए और फूलपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा देना पड़ा। 2022 के विधानसभा चुनाव में यहां पर बीजेपी को 1 लाख 3 हजार 557 वोट मिले थे और समाजवादी पार्टी को 1 लाख 825 वोट प्राप्त हुए थे।बीजेपी ने 2 हजार 732 वोटों के मामूली अंतर से चुनाव जीता था। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीएसपी को 33 हजार 36 वोट मिले थे। उपचुनाव में बीजेपी ने पूर्व सांसद केसरी देवी पटेल के बेटे दीपक पटेल को टिकट दिया है और सपा ने मुज्तबा सिद्दीकी को चुनावी मैदान में उतारा है। मुज्तबा 2022 का विधानसभा चुनाव भी इसी सीट से लड़ चुके हैं।बीएसपी ने इस बार जितेन्द्र कुमार सिंह को टिकट दिया है। इस सीट पर बीजेपी और सपा के बीच बहुत ही कांटे की टक्कर बताई जा रही है।फूलपुर के जातीय समीकरण मुताबिक यहां पटेल– 60,000 यादव– 70,000 मुस्लिम– 50,000 ब्राह्मण– 50,000 पासी– 35,000 निषाद– 22,000 वैश्य– 16,000 ठाकुर– 15,000 और एससी– 75,000 हैं।सीसामऊ विधानसभा कानपुर जिले की एक विधानसभा सीट है।कई बार से लगातार समाजवादी पार्टी जीत हासिल कर रही है।2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के इरफान सोलंकी विधायक बने थे लेकिन कोर्ट से एक मामले में सजा होने के बाद इरफान सोलंकी को इस्तीफा देना पड़ा। इसी वजह से यहां पर विधानसभा के उपचुनाव हो रहे हैं। 2022 के विधानसभाव चुनाव में सपा को 79,163 वोट मिले थे जबकि बीजेपी को 66,897 वोट हासिल हुए थे।सपा ने इस सीट पर 12,266 वोटों से जीत दर्ज की थी। 2022 के चुनाव में बीएसपी को मात्र 2,937 और कांग्रेस को 5,616 वोट मिले थे। मुख्य मुकाबला बीजेपी और समाजवादी पार्टी के बीच ही है। बीजेपी ने सीसामऊ सीट से सुरेश अवस्थी को टिकट दिया है तो सपा ने इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को चुनावी मैदान में उतारा है। बीएसपी ने वीरेन्द्र कुमार शुक्ला को टिकट दिया है।सीसामऊ में मुस्लिम– 1,11,000 ब्राह्मण– 70,000 एससी– 60,000 कायस्थ– 26,000 सिंधी और पंजाबी– 6,000 ठाकुर– 6,000 अति पिछड़ा– 13,000 और यादव– 4,000 हैं।कुंदरकी विधानसभा मुरादाबाद जिले और संभल लोकसभा सीट की एक विधानसभा सीट है। यह मुस्लिम बाहुल्य सीट है।2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के जियाउर्रहमान बर्क ने जीत हासिल की थी लेकिन 2024 में संभल लोकसभा सीट से सांसद बनने के बाद जियाउर्रहमान बर्क ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया।इस वजह से कुंदरकी में विधानसभा उपचुनाव है। 2022 विधानसभा चुनाव में सपा को 1 लाख 25 हजार 792 वोट मिले और बीजेपी ने 82 हजार 630 वोट हासिल किया था।सपा ने इस सीट पर 43 हजार 162 वोटों से जीत दर्ज की थी।2022 के चुनाव में बीएसपी को 42 हजार 742 वोट मिले थे। मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच है। उपचुनाव में बीजेपी ने रामवीर सिंह को टिकट दिया है तो सपा ने हाजी रिजवान को चुनावी मैदान में उतारा है। बीएसपी ने रफतउल्ला उर्फ नेता छिद्दा को टिकट दिया है।कुंदरकी में मुस्लिम– 2,20,000 एससी 30,000 यादव– 10,000 ठाकुर– 20,000 सैनी– 25,000 लोधी– 15,000 ब्राह्मण– 5,000 जाट– 4,000 और अति पिछड़ा– 40,000 हैं। गाजियाबाद शहर विधानसभा गाजियाबाद जिले की शहरी सीट है और बीजेपी का गढ़ मानी जाती है। बीजेपी का अभेद्य किला कहलाती है। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने लंबे अंतर से इस विधानसभा सीट पर जीत हासिल की थी। बीजेपी के अतुल गर्ग विधायक बने थे।2024 में अतुल गर्ग गाजियाबाद लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए, जिसकी वजह से गाजियाबाद में विधानसभा का उपचुनाव है। 2022 के चुनाव में बीजेपी को 1 लाख 50 हजार 205 वोट मिले थे और सपा ने मात्र 44 हजार 668 वोट हासिल हुए थे। बीएसपी को 32 हजार 691 वोट मिले थे।बीजेपी ने बहुत बड़े अंतर से इस सीट पर जीत हासिल की थी। बीजेपी ने संजीव शर्मा को टिकट दिया है तो सपा ने राज जाटव पर भरोसा जताया है।सपा ने सामान्य सीट पर एससी समाज के नेता को चुनावी मैदान में उतारा है। बीएसपी ने परमानंद गर्ग को टिकट दिया है। गाजियाबाद में बनिया– 80,000 एससी– 85,000 मुस्लिम– 60,000 पंजाबी– 30,000 ठाकुर– 8,000 त्यागी– 15,000 जाट– 18,000 यादव– 10,000 अति पिछड़ा– 50,000 और प्रवासी वोट– 60,000 अलग अलग राज्यों के लोग बड़ी संख्या में मतदाता है।खैर अलीगढ़ जिले की विधानसभा सीट है। 2022 में बीजेपी ने इस सीट पर बहुत बड़े अंतर से जीत हासिल की थी।बीजेपी विधायक अनूप प्रधान वाल्मीकि जब 2024 में हाथरस लोकसभा सीट से सांसद बने तो यह खैर विधानसभा सीट रिक्त हो गई। 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 1 लाख 39 हजार 643 वोट मिले और सपा को 41 हजार 644 वोट ही मिल पाए थे. जबकि बीएसपी को 65 हजार 302 वोट प्राप्त हुए थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी खैर विधानसभा सीट पर लगभग 14 सौ वोटों से पीछे हो गई थी।खैर उपचुनाव में बीजेपी ने पूर्व सांसद राजवीर दिलेर के बेटे सुरेन्द्र दिलेर को टिकट दिया है और सपा ने चारू कैंन को टिकट दिया है। बीएसपी ने यहां पर डॉ पहल सिंह को टिकट दिया है।खैर सीट एससी वर्ग के लिए सुरक्षित सीट है, इसीलिए सभी दलों ने एससी समाज के नेता को ही टिकट दिया है। सपा की चारू कैंन हैं तो एससी समाज से लेकिन इनकी शादी जिले के जाट परिवार में हुई है। इस समीकरण से पहली बार खैर में मुकाबला देखने को मिल सकता है लेकिन इस सीट पर हार जीत जाट मतदाताओं के रूख पर निर्भर होगा।

धूमधाम से मनाया गया बाल मेला

लकी ड्रा में इकरा ने जीती साइकिल

संदीपनघाट। वीबीपीएस काजीपुर कौशांबी के प्रांगण में आज प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयन्ती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर योगेश साहू और भैय्यन पासी की उपस्थिति में नेहरू जी की मूर्ति पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन

करके बाल मेले की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर बच्चों ने खूब आनंद में उठाया और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में नर्सरी के बच्चों ने शानदार फैशन शो किया। वहीं कक्षा एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात और आठ के छात्र छात्राओं ने शानदार नृत्य प्रस्तुति दी। इस अवसर पर लकी ड्रा कूपन में बच्चों और प्रतिभागियों ने साइकिल, सूटकेस, मिक्सी, इंडक्शन और स्कूल बैग तथा दस सान्त्वना पुरस्कार जीते। सब ने बच्चों के रूप का मेले का आनंद लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या ने बच्चों की एक से बढ़कर एक नृत्य कला को सराहा। उन्होंने बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उत्थान संस्था के सचिव डॉक्टर के के तिवारी, अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार और मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक तिवारी ने संयुक्त रूप से बच्चों को बाल दिवस की ढेर सारी बधाइयाँ एवं शुभकामना दी। वरिष्ठ शिक्षक राकेश मालवीय ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर पीटीआई नकुल तिवारी, आर पी ओझा, सदफ शेख, श्वेता सिंह, मनीषा मैम, रिंकू नाग, बलदाऊ पांडे, रविंद्र उपाध्याय सोमनाथ पांडे, रिकी, सुधा पांडे, अभिनंदन पांडे, अतुल पांडे, जी एम खान आदि शामिल रहे।

होमगार्ड विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया दीपदान

प्रयागराज । दिनांक 15 11 2024 को संगम तट पर देव दीपावली के उपलक्ष में होमगार्ड विभाग के अधिकारियों द्वारा दीपदान किया गया।

डिंपल यादव ने खेला क्षत्रिय कार्ड

करहल में बीजेपी और सपा में वर्चस्व की लड़ाई

लखनऊ, एजेंसी। मैंनपुरी के करहल उप चुनाव जीतने के लिए सपा और भाजपा ताकत लगा रही है। दोनों में वर्चस्व की लड़ाई है।जंग कड़ी है। चुनाव प्रचार में सपा सांसद डिंपल यादव ने क्षत्रिय कार्ड खेल दिया। क्षत्रिय बहुल गांव दौलतपुर में कहा कि मेरे पिताजी क्षत्रिय हैं और मेरी बहन फौज में है। हम जवानों

और उनके परिवारों का दर्द समझते हैं। डिंपल के बयान की राजनीतिक गलियारे में चर्चा है। भाजपा ने मुलायम के दामाद अनुजेश यादव को करहल उप चुनाव में टिकट दिया है। अनुजेश के सहारे भाजपा यादव वोट में सेंधमारी की कोशिश में है। क्षत्रिय बहुल गांव दौलतपुर पहुंची सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और सपा सांसद डिंपल यादव ने क्षत्रिय कार्ड खेल दिया। अग्निवीर भर्ती को गलत बताते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज से सबसे अधिक युवा फौज में जाते हैं।उन्होंने रक्षा मंत्री रहने के दौरान मुलायम सिंह यादव द्वारा सैनिकों के पार्थिव शरीर को उनके घर तक सम्मान से पहुंचाए जाने का निर्णय याद कराया। सपा सांसद डिंपल यादव का जौराई में भी स्वागत किया गया।

जनजातीय गौरव दिवस पर सीएम योगी बोले, भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के एक प्रेरणा स्रोत रहे हैं

लखनऊ, एजेंसी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 में जयंती आज जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय जनजातीय भागीदारी उत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री असीम अरुण, पर्यटन मंत्री संजीव गौड़ और प्रमुख सचिव समाज कल्याण डॉ. हरिओम भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनजातीय प्रतिनिधि, सांस्कृतिक कलाकार, और गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने

कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के एक प्रेरणा स्रोत रहे हैं। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की वीरता और जनजातीय समाज के प्रति उनके योगदान का स्मरण किया। सीएम योगी सीएम ने कहा, भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज के एक प्रेरणा स्रोत रहे हैं, जिन्होंने न केवल अपनी संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा की, बल्कि समाज को भी प्रेरित किया। उनका जीवन हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक है। इस आयोजन में विभिन्न जनजातीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें नृत्य, संगीत और कला के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। इसके साथ ही, जनजातीय विकास और संरक्षण के लिए कई योजनाओं और योजनाबद्ध कार्यों की भी चर्चा की गई, जिससे जनजातीय समाज का सशक्तिकरण हो सके। उत्सव में देश–विदेश के जनजातीय प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया, जो इस आयोजन को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान करता है।

करहल में बीजेपी और सपा में वर्चस्व की लड़ाई

लखनऊ, एजेंसी। मैंनपुरी के करहल उप चुनाव जीतने के लिए सपा और भाजपा ताकत लगा रही है। दोनों में वर्चस्व की लड़ाई है।जंग कड़ी है। चुनाव प्रचार में सपा सांसद डिंपल यादव ने क्षत्रिय कार्ड खेल दिया। क्षत्रिय बहुल गांव दौलतपुर में कहा कि मेरे पिताजी क्षत्रिय हैं और मेरी बहन फौज में है। हम जवानों

और उनके परिवारों का दर्द समझते हैं। डिंपल के बयान की राजनीतिक गलियारे में चर्चा है। भाजपा ने मुलायम के दामाद अनुजेश यादव को करहल उप चुनाव में टिकट दिया है। अनुजेश के सहारे भाजपा यादव वोट में सेंधमारी की कोशिश में है। क्षत्रिय बहुल गांव दौलतपुर पहुंची सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और सपा सांसद डिंपल यादव ने क्षत्रिय कार्ड खेल दिया। अग्निवीर भर्ती को गलत बताते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज से सबसे अधिक युवा फौज में जाते हैं।उन्होंने रक्षा मंत्री रहने के दौरान मुलायम सिंह यादव द्वारा सैनिकों के पार्थिव शरीर को उनके घर तक सम्मान से पहुंचाए जाने का निर्णय याद कराया। सपा सांसद डिंपल यादव का जौराई में भी स्वागत किया गया।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड उत्तर प्रदेश में 32 नए शैक्षणिक केंद्रों के साथ करेगा शिक्षा का विस्तार

लखनऊ, एजेंसी। परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड उत्तर प्रदेश में 32 नए केंद्रों के शुभारंभ और राज्य के 22 अतिरिक्त नए शहरों तक अपनी पहुँच का विस्तार करने की घोषणा करते हुए उत्साहित है। इनमें से 2 केंद्र क्लासरूम सेंटर के रूप में काम करेंगे, 20 आकाश लर्निंग सेंटर के रूप में काम करेंगे और 10 मौजूदा शहरों में सैटेलाइट सेंटर के रूप में काम करेंगे। इस विस्तार के साथ, आकाश अब अपने 66 केंद्रों के साथ उत्तर प्रदेश के 46 शहरों में छात्रों को अपनी सेवाएँ प्रदान करेगा। क्लासरूम सेंटर आजमगढ़ और बड़ौत में खुलेंगे, जबकि आकाश लर्निंग सेंटर मऊ, जौनपुर, बलिया, सुल्तानपुर, बाराबंकी, गाजीपुर, शाहजहाँपुर, देवरिया, मिर्जापुर, बस्ती, कुशी नगर, प्रतापगढ़, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, हरदोई, गोंडा, बहराईच, बांदा, बिजनौर और मैनपुरी में स्थित होंगे। आज प्रेसवार्ता करते हुए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के एमडी और सीईओ श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा हम उत्तर प्रदेश में 32 नए केंद्रों के शुभारंभ और 22 नए शहरों में विस्तार की घोषणा करते हुए बेहद खुश हैं। यह हमारी नीति का हिस्सा है, जिसके तहत हम छोटे शहरों में रहने वाले छात्रों तक पहुँचने का प्रयास कर रहे हैं, जिन्हें हमेशा आकाश जैसे ब्रांड से विशेषज्ञ मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। ये केंद्र न केवल छात्रों के सामने आने वाली पहुँच की समस्या का समाधान करेंगे, बल्कि उन्हें अपने गृहनगर में बैठे–बैठे आकाश की विशेषज्ञता का लाभ उठाने में सक्षम बनाएंगे, साथ ही स्थानांतरण के मामले में काफी लागत भी बचाएंगे। आकाश केंद्र उन्हें अपने स्वयं के स्कूल जाने, माता–पिता के प्यार, देखभाल और स्नेह के तहत अपने घर के आराम में रहने और अपने आस–पास अध्ययन करने का लाभ देंगे, जिससे कीमती समय, ऊर्जा और धन की बचत होती है। 10 सैटेलाइट सेंटर सिगरा, वाराणसीय मेडिकल रोड और तारामंडल, गोरखपुरय किदवई नगर, कानपुर और राजाजी पुरम, जानकी पुरम और इंदिरा नगर, लखनऊय आगराय प्रयागराज और मेरठ में स्थापित किए जाएंगे। सभी नए केंद्रों के अगले शैक्षणिक वर्ष से पहले चालू होने की उम्मीद है। विस्तार योजना का अनावरण आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री दीपक मेहरोत्रा ने चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर श्री अनूप अग्रवाल, रीजनल डायरेक्टर डॉ. ए. एच.आर. राव और डिप्टी रीजनल डायरेक्टर श्री डी.के. मिश्रा की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर कई फ्रैंचाइजी पार्टनर्स भी मौजूद रहे, जो प्रस्तावित स्थानों पर नए केंद्र स्थापित कर रहे हैं। इस कदम के साथ एईएसएल का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के छात्रों को बेहतरीन शैक्षिक अवसर प्रदान करना और उन्हें नीट और जेईई जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने के लिए एक मजबूत आधार देना है।

महानगर में आज प्रणाम नगर में आज आज शहर में

त्रिधारा नाट्य महोत्सव में बैकस्टेज की नाट्य प्रस्तुति बाजी शाम 6.30 बजे, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में।

सम्पादकीय.....

मारक महंगाई

केंद्रीय बैंक व सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद, देश में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के चलते खुदरा मुद्रास्फीति पिछले चौदह महीनों की ऊंचाई पर जा पहुंची हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की ओर से मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल गई है। आंकड़ों के अनुसार अक्तूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 6.21 प्रतिशत रही। ऐसे में खुदरा महंगाई के आरबीआई द्वारा निर्धारित संतोषजनक स्तर से ऊपर निकल जाने से इस साल दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कमोबेश धाराशाई हो गई हैं। दरअसल, खुदरा महंगाई में यह वृद्धि सब्जियों,फलों, वसायुक्त वस्तुओं व तेलों की कीमतों में तेजी की वजह से हुई है। जो कि भारत की खाद्य आपूर्ति शृंखला में व्याप्त गहरी संरचनात्मक चुनौतियों का खुलासा करती है। साथ ही स्थिति में सुधार के लिये अविलंब सरकारी हस्तक्षेप की जरूरत को बताती है। निश्चित रूप से अक्तूबर की खाद्य मुद्रास्फीति दर का इस साल सबसे अधिक 10.87 फीसदी होना नीति–नियंताओं के लिये चिंता का विषय होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर यह बढ़ती महंगाई एक महत्वपूर्ण संकेत भी देती है कि अस्थिर खाद्य कीमतें देश की संपूर्ण आर्थिक स्थिरता को कैसे बाधित कर सकती है। विशेष रूप से टमाटर और तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी, कुछ प्रमुख वस्तुओं और आयात की जाने वाली चीजों पर देश की निर्भरता हमारी कमजोरी को ही दर्शाती हैं। इसमें दो राय नहीं कि हर साल वर्षा ऋतु में सब्जी उत्पादक राज्यों में अतिवृष्टि, बाढ़ आदि के कारण उत्पादन व आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हो जाती है। वहीं अनियमित और ज्यादा बारिश से सब्जी व फलों को होने वाले नुकसान ने बता दिया है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। जिसकी आशंका हम कई वर्षों से जताते भी रहे हैं। अब इस चुनौती का युद्ध स्तर पर मुकाबला करने की जरूरत है। बहरहाल, हमें गंभीरता से विचार करना होगा कि ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से सब्जियों के उत्पादन व आपूर्ति को कैसे सुरक्षित करें। ऐसे वक्त में जब कृषि उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन का सीधा प्रभाव नजर आया है, हमें मौसम के चरम में बेहतर उत्पादन देने वाली सब्जियों व अन्य फसलों की उन्नत किस्में तैयार करनी होंगी। साथ ही बेहतर भंडारण सुविधाएं जुटानी होंगी। जिससे बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाकर कृत्रिम महंगाई को रोका जा सकेगा। हम व्यावहारिक आयात रणनीति को अपनाते हुए सब्जियों व फलों के आपूर्ति पक्ष को मजबूत करें। कालांतर ये प्रयास खाद्य मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने में मददगार होंगे। हमें औद्योगिक उत्पादन में भी तेजी लाने की जरूरत है ताकि लोगों की आय बढ़ने से क्रय शक्ति में इजाफा हो। हालांकि, सितंबर में औद्योगिक उत्पादन में तीन फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, लेकिन यह आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। दरअसल, कम वृद्धि उच्च मुद्रास्फीति के कारण उत्पन्न होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने में सहायक नहीं हो सकती है। वहीं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में यह मामूली वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था में सुस्ती को बताती है। निस्संदेह, मुद्रास्फीति में कमी किए बिना सुधार की गति को बनाये रखने में मुश्किल है। ऐसे में केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से उपभोक्ता मांग कम हो सकती है। कालांतर इसका असर निवेश पर भी पड़ सकता है। निश्चित रूप से तीव्र आर्थिक विकास के लिये मुद्रास्फीति के दबावों से उबरने की आवश्यकता है। इसके लिये कृषि उत्पादन व औद्योगिक प्रदर्शन में तेजी लाने की भी जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितताओं के बीच सरकार को घरेलू उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि करने के प्रयास करने चाहिए। जिससे हमें आपूर्ति शृंखला को अनुकूल बनाने में मदद मिल सके। साथ ही खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। बहरहाल, दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता के लिये जरूरी है कि देश बार–बार मुद्रास्फीति में होने वाली बढ़ोतरी को रोकने के लिये कृषि सुधारों को प्राथमिकता दे। जिससे कमजोर आय वर्ग के परिवारों को बढ़ती कीमतों के दबाव से राहत मिल सके।

जलवायु सम्मेलन: बड़े देशों पर निगाहें

डॉ. दीपक पाचपोर

भारत विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है। 20वीं शताब्दी के छठे व सातवें दशक में प्रदूषण घटाने तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैश्विक चिंताएं प्रकट हुई थीं लेकिन सघन एवं सामूहिक प्रयास 90 के दशक के आरम्भ से दिखे।

अजरबैजान की राजधानी बाकू में सीओपी–29 के नाम से जलवायु सम्मेलन हो रहा है जिसमें 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। 11 नवम्बर से प्रारम्भ हुआ सम्मेलन 22 तारीख तक चलेगा। कांफ्रेंस ऑफ द पार्टीज कहलाने वाले ऐसे सम्मेलनों की शुरुआत 1995 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हुई थी। इस श्रृंखला में यह 29वां जमावड़ा है जिसमें सभी देश जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली समस्याओं के आकलन के साथ पृथ्वी का तापमान नियंत्रित करने के बारे में चर्चा करेंगे। भारत विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है। 20वीं शताब्दी के छठे व सातवें दशक में प्रदूषण घटाने तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैश्विक चिंताएं प्रकट हुई थीं लेकिन सघन एवं सामूहिक प्रयास 90 के दशक के आरम्भ से दिखे। तभी से जलवायु परिवर्तन की गम्भीरता की ओर दुनिया का अधिक ध्यान गया। माना गया कि यह बहुत चिंताजनक है जिस पर सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। सीओपी के अलावा अर्थ समिट जैसे विभिन्न मंचों से नीले ग्रह को गर्म होने से बचाने हेतु गम्भीर प्रयासों की जरूरत बतलाई जाती रही। राष्ट्रसंघ के कई सत्र भी इसे लेकर हो चुके हैं। सीओपी के पिछले सभी सम्मेलनों में अनेक प्रकार की बातें हुईं। बर्लिन के अलावा 1997 में जेनेवा (स्विटजरलैंड), 2005 में क्योटो (जापान), 2010 में कानकुन (मैक्सिको) और 2013 में वारसा (पोलैंड) में हुए सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिहाज से अहम रहे, परन्तु मील का पत्थर साबित हुआ पैरिस (फ्रांस) में आयोजित 2015 का सीओपी 21 सम्मेलन। इसमें शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा गया तथा 196 देशों ने इसे समझौते के रूप में स्वीकार किया जो सभी देशों पर बाध्यकारी है। जिस अमेरिका ने क्योटो सम्मेलन में इस समझौते पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था, उस पर 2020 में राष्ट्रपति बनते ही जो बाइडेन ने हस्ताक्षर कर दिये थे। उनके पूर्ववर्ती और अब पुनरू राष्ट्रपति बन गये डोनाल्ड ट्रम्प का रुख इसे लेकर क्या होगा, यह देखना होगा क्योंकि वे दुनिया में प्रदूषण का ठीकरा विकासशील एवं अविकसित देशों पर फोड़ते रहे हैं। स्वयं बड़े कारोबारी होने के नाते वे विकसित तथा औद्योगिक देशों के पक्षधर माने जाते हैं। अन्य दो ताकतवार देश– चीन व रूस का रवैया भी इस विषय पर ढुलमुल रहा है क्योंकि इन दोनों ही देशों में उद्योग एवं व्यवसायों से बड़े पैमाने पर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता है परन्तु वे इसे न्यायोचित बताते रहे हैं और उनकी इस विषय पर आलोचना का साहस कम ही हो पाता है। जब तक बड़े और शक्तिशाली देश भी जलवायु परिवर्तन के कारकों पर ईमानदारीपूर्वक लगाम नहीं लगाते, दुनिया का तापमान कम करने के प्रयास अधूरे रहेंगे। 1990 की शुरुआत से लागू नयी वैश्विक अर्थप्रणाली से इस समस्या के तार तो जुड़े हुए हैं ही, अंतरराष्ट्रीय मतभेदों में भी यह विषय उलझकर रह गया है। पृथ्वी का तापमान न घटने के लिये विकसित एवं विकासशील देश परस्पर दोषारोपण कर जिम्मेदारी एक–दूसरे पर डाल रहे हैं। बहुत से विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण जीडीपी में वृद्धि की लालसा है। विकास के नाम पर की जा रही अनेक तरह की गतिविधियों में तीव्र कार्बन उत्सर्जन होता है जो तापमान बढ़ाने का प्रमुख कारक है। इतना ही नहीं, उत्पादन बढ़ाने हेतु किये जा रहे अनगिनत मानवीय उपक्रम ग्रीन हाउस प्रभाव को सतत बढ़ा रहे हैं। इस बढ़ते तापमान के परिणामों का दुनिया भली–भांति अनुमान लगाये बैठी है और उसके कारण जो त्रासदियां होंगी उस पर स्कूलों में सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल जैसे विषय पढ़ने वाले बच्चे तक वाकिफ हैं, परन्तु फिर भी यह विशेषज्ञों की बहसों का सबब बना हुआ है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से घरों में लगे करोड़ों की संख्या में एयर कंडिशनरों से लेकर विशालकाय उद्योग और बड़ी तादाद में दुनिया भर की सड़कों पर दौड़ते ईंधन वाले वाहनों से लेकर परमाणु बिजली संयंत्रों से पर्यावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है, उससे यदि पृथ्वी का तापमान 3 डिग्री तक और बढ़ता है तो विश्व के ज्यादातर ग्लेशियर पिघल जायेंगे। इसके चलते विश्व भर में समुद्र के किनारे बसे 50 से अधिक शहर जल समाधि ले लेंगे। इस सम्मेलन में अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होने जा रही है। इसमें प्रमुख है विकासशील देशों को वित्तीय मदद ताकि वे वातावरण में हो रहे परिवर्तन को रोकने के लिये विभिन्न उपायों पर खर्च कर सकें। जलवायु वित्त कार्य निधि (सीएफएएफ) के नाम से यह अंतरराष्ट्रीय कोष स्थापित होगा जिसका मुख्यालय बाकू में होगा। दूसरा मुद्दा है ग्रीन एनर्जी जोन एंड कॉरिडोर स्थापित करना। इसके तहत निवेश को बढ़ावा देते हुए आर्थिक विकास की गति बढ़ाने के उपाय होंगे। बुनियादी अधोरचना, आधुनिकीकरण, विस्तार आदि के जरिये क्षेत्रीय सहयोग को प्रोत्साहित किया जायेगा। ऊर्जा भंडारण की वैश्विक क्षमता को बढ़ाने के नये लक्ष्य तय किये गये हैं। 2022 की स्थापित क्षमता को 6 गुना बढ़ाकर 1500 गीगावाट तक बढ़ाया जायेगा। 2040 तक 80 मिलियन किलोमीटर को ऊर्जा ग्रिड के तहत लाने का लक्ष्य है। स्वच्छ हाइड्रोजन, ग्रीन डिजिटल एक्शन आदि इस सम्मेलन के एजेंडा में हैं। भारत अपना पक्ष 18–19 नवम्बर को रखेगा जिसकी इस विषय को लेकर अपनी ही चिंताएं और अपेक्षाएं हैं। वह भी विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है। वैसे वैश्विक मंचों पर भारत चाहे जो कहे, उसे स्वयं अपने स्तर पर यानी देश के भीतर जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये ईमानदार पहल करने की आवश्यकता है। भारत दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में से एक है. फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग इस प्रदूषण का कहर झेल रहे हैं।

सलमान–संतोष की अनूठी दोस्ती

सर्वमित्रा सुरजन

हाल ही में एक दिलचस्प खबर देखने और पढ़ने मिली, जिससे कई और प्रसंग याद आ गए। मध्यप्रदेश में डीएसपी संतोष पटेल ने एक वीडियो अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स पर डाला और लिखा– ये हैं सलमान खान जो कि भोपाल के अप्सरा टॉकीज इलाके में सब्जी का ठेला लगाते हैं। वर्ष 2009 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने गये थे तो सब्जी भाजी खरीदते वक्त इनसे मुलाकात हुई थी। ये भाई हमारी भावनाओं को समझकर रात को ठेले उठाते वक्त सब्जी भाजी दे दिया करते थे। जेब में जितने रुपये होते थे इतने में ही सलमान भाई खुश हो जाते थे और कई बार उधार कर लेते थे और अनेक बार भटा, टमाटर फ्री में दिये। 14 साल बाद जब अचानक पुलिस की गाड़ी के पास बुलाया तो सलमान हल्का सा डरा हुआ महसूस कर रहा था लेकिन वो पहचान गया था। मुलाकघत हुई तो हम दोनों को बहुत अच्छा लगा। बुरे समय में जिन्होंने साथ निभाया, उन्हें भुलाना किसी पाप से कम नहीं है। इतना ही कहता हूं कि बंदे में एक दोष न हो, बंदा एहसान फरामोश न हो। संघर्ष के दिनों में साथ निभाने वालों के लिए वादा करता हूं कि हम वो नहीं जो मुश्किलों में आपका साथ छोड़ दें, हम वो हैं जरूरत पड़ी तो आपकी सांसों से अपनी सांसें जोड़ दें। नपे–तुले शब्दों में डीएसपी संतोष पटेल ने सब्जी विक्रेता सलमान के लिए अपनी कृतज्ञता भी प्रकट की और एक मिसाल उन तमाम लोगों के लिए कायम कर दी, जो संघर्ष कर के आगे बढ़ते हैं, दूसरों के कंधों को सीढ़ियों की तरह इस्तेमाल करते हैं, मगर जब उन्हें मंजिल मिल जाती है, तो फिर संघर्ष के अपने साथियों और मददगारों को पहचानते भी नहीं हैं। संतोष पटेल और सलमान खान की इस अनूठी दोस्ती की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हुई, बहुत से लोगों ने उनकी मुलाकात के वीडियो को शेयर किया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि संतोष पटेल बेहद सहजता से सलमान खान से पूछते हैं कि मुझे पहचानते हो, और सलमान खान कहते हैं, क्यों नहीं पहचानेंगे। दरअसल संतोष पटेल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और सलमान खान उनकी खबर सोशल मीडिया के जरिए ही रखते थे कि वे कहां हैं और क्या कर रहे हैं। लेकिन उन्हें इस बात की उम्मीद शायद नहीं रही होगी कि कभी इस तरह श्री पटेल उनसे मिलने पहुंच जाएंगे। हालांकि जब सलमान खान ने अपने ठेले के सामने पुलिस की गाड़ी देखी तो एकबारगी वे घबरा गए, मगर फिर संतोष पटेल को देखकर उनकी घबराहट चली गई। आज प्रेमचंद होते तो शायद संतोष और सलमान की मित्रता पर गुल्ली–डंडा जैसी कोई और मशहूर कहानी लिखते। पाठक जानते हैं कि गुल्ली–डंडा कहानी में बचपन के साथियों के बड़े होकर फिर से मिलने और खेलने का सुंदर चित्रण प्रेमचंद ने किया है, जिसमें सामाजिक और आर्थिक ओहदा दोस्ती पर भारी पड़ता हुआ दिखता है। इस कहानी में नायक जब बचपन के साथी गया से फिर मिलता है तो मन में सोचता है कि मैं उसकी ओर लपकना चाहता था कि उसके गले लिपट जाऊं, पर कुछ सोचकर रह गया. बोला–कहो गया, मुझे पहचानते हो? गया ने झुककर सलाम किया–हां मालिक, भला पहचानूंगा क्यों नहीं! कहानी की ये पंक्तियां संतोष पटेल और सलमान खान की मुलाकात में चरितार्थ हुई हैं। फर्क इतना ही है कि संतोष पटेल ने सलमान खान को बिना झिझके गले लगा लिया और दोनों के बीच एक सरकारी अफसर और सब्जी विक्रेता के ओहदे का फर्क होने के बावजूद पुराने रिश्तों की गर्माहट दिखी। 2017 में मप्र लोकसेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद डीएसपी बने संतोष पटेल ने 2009 से लेकर 2013 तक भोपाल में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। उस समय कई बार उनके पास पैसे नहीं होते थे, ऐसे में सलमान खान रात को दुकान समेटते समय बैंगन और टमाटर मुफ्त में दे दिया करते थे। संतोष पटेल के मुताबिक सलमान खुद गरीब थे, लेकिन मुझे मुफ्त में सब्जियां दिया करते थे। पढ़ाई पूरी करने और डीएसपी बन जाने के बाद उनका काम के सिलसिले में भोपाल आना हुआ तो वे पुरानी यादों को ताजा करने और खास तौर पर सलमान खान को तलाशने के लिए अप्सरा टॉकीज के पास के इलाके में आए और यहां उनकी तलाश पूरी भी हुई। आज के दौर में जब जीवन से अपनापन, सहजता, निस्वार्थ रिश्ते गायब होते जा रहे हैं, तब संतोष–सलमान की इस जीवंत कथा को उम्मीद की तरह देखा जाना चाहिए। इस प्रकरण से ललित सुरजन जी (मेरे पिता) का सुनाया एक वाकया याद आ गया कि तंगी के दिनों में उनके मित्र एडव्होकेट जमालुद्दीन की मां ने दीवाली पर दिए जलाने और मिठाई खरीदने के लिए उन्हें पैसे दिए थे, जबकि रायपुर की चूड़ी लाइन में खुद उनकी छोटी सी दुकान थी। इसी तरह जमाल चाचा की बेटी की शादी का अवसर आया, तो कार्ड में जमाल चाचा ने बाबूजी (स्व. मायाराम सुरजन) का नाम डलवाया, क्योंकि वे उन्हें घर का बुजुर्ग मानते थे। अपनी बेटी के साथ–साथ जमाल चाचा ने एक अनाथ लड़की का विवाह भी संपन्न करवाया था। मुझे यकीन है कि हमारे घर ही नहीं, हिंदुस्तान के हजारों–लाखों घरों में ऐसे प्रसंग पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाए, बताए जाते रहे होंगे। कृष्ण–सुदामा से लेकर गुल्ली–डंडा और सलमान–संतोष की कहानी तक में सदियों से सांस लेते भारत को महसूस किया जा सकता है। गंगा–जमुनी सभ्यता केवल मुहावरा नहीं है, यही हिंदुस्तान का सच भी है। मगर अब इसमें कागज दिखाने, कपड़ों से पहचान करने और दुकानों पर नाम लिखने की राजनीति हावी की जा रही है। लव जिहाद, जमीन जिहाद, आर्थिक जिहाद, शिक्षा जिहाद, वोट जिहाद की नफरती सोच समाज में भरने की सायास कोशिशें हुई हैं। इसका विस्तार बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे, सेफ रहेंगे तक किया जा चुका है। अखिलेश यादव ने बिल्कुल सही कहा है कि बंटेंगे तो कटेंगे सबसे नकारात्मक नारा है और इतिहास में यह निकृष्टतम नारे के तौर पर दर्ज होगा। राहुल गांधी ने भी मंगलवार को गोंदिया की अपनी सभा में लव यू वाले नारे और इसके पीछे की राजनीति का खुलासा करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के वक्त नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का नारा निकला था। राहुल गांधी के मुताबिक राजनीति में सिर्फ नफरत, हिंसा और गुस्सा ये चीजें फैलाई जा रही थीं। इसलिए हमने सोचा कि अगर दूसरी साइड ने नफरत का ठेका ले रखा है, तो हम मोहब्बत का ठेका ले लेते हैं। उसमें फायदा भी है। नफरत में भाई भाई से लड़ता है, नफरत को नफरत नहीं काट सकती है। कोई आपसे नफरत करता है, आप उससे जाकर और नफरत करो, तो बात नहीं कटती लेकिन कोई भी आपसे नफरत करें और आपने उसे मोहब्बत दिखा दी, में नफरत खत्म हो जाती है। यह कांग्रेस पार्टी की सोच है, महात्मा गांधी की सोच है। राहुल गांधी का यह भाषण भले चुनावी मंच से दिया गया, लेकिन असल में इसमें भारत के विचार का दर्शन होता है। वो दर्शन जिसे गांधीजी ने दुनिया के सामने रखा और आज उस पर न चलने का नुकसान भी देखा जा रहा है। राजनीति के जरिए नफरत और हिंसा को बढ़ाने का खामियाजा अंततरू समाज भुगत रहा है, क्योंकि आपसी प्रेम और सौहार्द्र की जगह शक ने ले ली है। लेकिन इस वक्त भी सलमान खान और संतोष पटेल जैसे लोग समाज में मौजूद हैं, जो नेकी, भाईचारे, कृतज्ञता और दोस्ती जैसे शब्दों को चरितार्थ कर रहे हैं।

पिछड़ता पर्यावरण

राजकुमार सिन्हा

वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024 की रिपोर्ट में 180 देशों में भारत को 176 वें स्थान पर रखा गया है। भारत का सबसे निचले स्थान पर होना मुख्यरूप से अकुशल भूमि–प्रबंधन और जैव–विविधता पर बढ़ते खतरों के कारण है। हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं जब संपूर्ण पारिस्थितिकी विनाश की संभावना के बारे में चर्चा करना जरूरी है, लगभग उसी संदर्भ में जैसे परमाणु हथियारों के आलोचकों ने अक्सर पूर्ण परमाणु विनाश की संभावना का उल्लेख किया है। हमारी वर्तमान सामाजिक व्यवस्था, मानव स्वतंत्रता और प्रकृति के साथ मानवीय संबंध के यांत्रिक दृष्टिकोण में उलझी हुई है, जो सीधे तौर पर पारिस्थितिक अनिवार्यता के विपरीत है। भारत की बात करें तो इंग्लैंड स्थित श्यूटिलिटी बिडरश की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीस वर्षों में 6,68,400 हेक्टेयर जंगल देश ने खो दिया है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच वनों की कटाई की दर में भारत दुनिया के दूसरे सबसे बडे देश के रूप में उभरा है। भारत सरकार द्वारा वन क्षेत्र में वृद्धि के बावजूद, ग्लोबल फारेस्ट वाच जैसे अन्तरराष्ट्रीय संगठनों ने रिपोर्ट दी है कि भारत ने 2001 से 2023 के बीच 23300 वर्ग किलोमीटर वृक्ष–क्षेत्र खो दिया है। ग्लोबल फारेस्ट वाच ने यह भी बताया है कि 2013 से 2023 तक 95 प्रतिशत वनों की कटाई प्राकृतिक वनों में हुई है। बेंगलुरु के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के डाक्टर एमडी मधुसूदन ने बताया कि आमतौर पर नक्शे सार्वजनिक नहीं होते, परन्तु जियो स्पेशल डेटा नीति के बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के लिए नक्शे सार्वजनिक हुए। देहरादून स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग ने 1999 से 2019 के दौरान असम के सोनीतपुर में 34,400 हेक्टेयर वनक्षेत्र कम होने की जानकारी दी थी, जबकि इसी दौरान फारेस्ट सर्वे रिपोर्ट में वहां 33,800 हेक्टेयर वनक्षेत्र बढ़ा बताया गया। मधुसूदन के मुताबिक जब सोनितपुर के डिजिटल नक्शे को जूम किया गया तो पता चला कि जिस इलाके को फोरेस्ट दिखाया गया है, वह चाय बागान है। तमिलनाडु के कोयंबटूर के वेलापरई में चाय बागानों को भी फारेस्ट कवर दिखाया गया है। लक्षद्वीप का 95 फीसदी इलाका फारेस्ट कवर है, जबकि वहां नारियल के पेड़ हैं और उनके बीच घनी आबादी बसी है। दिलचस्प तो यह है कि जैसलमेर के मरुस्थली इलाके को फारेस्ट कवर दिखाया गया है, जबकि वहां रेगिस्तानी झाडियां थीं। दिल्ली के लुटियन–जोन का कुछ हिस्सा भी फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे में फारेस्ट कवर है। श्सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायरमेंटश (सीएसई) की महानिदेशक सुनीता नारायण कहती हैं कि स्टेट ऑफ फारेस्ट रिपोर्ट– 2021 के मुताबिक देश में 1.6 लाख हेक्टेयर (0.2प्रतिशत) वन क्षेत्र बढ़ा है। देश में 7.753 करोड़ हेक्टेयर वन भूमि है जिस पर 5.166 करोड़ हेक्टेयर फारेस्ट कवर है। बचे 2.587 करोड़ हेक्टेयर (34प्रश) वन–भूमि का क्या हुआ, उसका कोई जिक्र नहीं है। विकास कार्य के लिए जंगल कट रहे हैं, उनके स्थान पर हुए पौधारोपण को जंगल मान लिया गया है। पर्यावरणविद एवं श्विधि सेंटर फॉर लीगल पालिसीश में जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र के लीडर देबादित्यो सिन्हा का कहना है कि सिर्फ पौधारोपण करने से जंगल का निर्माण नहीं हो सकता। प्राकृतिक वनों में वनस्पतियों की कम–से–कम तीन परतें होती हैं, जिसमें सबसे नीचे आता है वन तल जो कि मिट्टी एवं जडी–बूटियों से बना होता है। इसके बाद झाड़ियां और फिर आते हैं पेड़। वन–तल एवं झाडीनुमा वनस्पति की सबसे अहम भूमिका होती है। केवल पेड़घें की संख्या पर निर्भर रहना मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र की जटिल संरचना और प्राकृतिक संतुलन की उपेक्षा करता है। राष्ट्रीय वन नीति का लक्ष्य पर्यावरणीय स्थिरता और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए मैदानी क्षेत्रों में 33.3 प्रतिशत और पहाड़ी क्षेत्रों में 66.6 प्रतिशत भूमि को वनाच्छादित करना है। भारत 17 विशाल जैव–विविधता वाले देशों में से एक है। यहां दुनिया की 12 फीसद जैव–विविधता है। यह समृद्ध जैव–विविधता पारिस्थितिकी संतुलन, पोषण–चक्र और जलवायु विनियमन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत के 27.5 करोड़ लोगों की आजीविका को सहारा देती है, जो वन–संसाधनों पर निर्भर हैं। देश के 10 जैव–भौगोलिक क्षेत्रों में 1,03,258 से अधिक जीव–जंतुओं और 55,048 से अधिक वनस्पतियों की प्रजातियां दर्ज की गई है। जैव–विविधता भारत की जलवायु परिवर्तन के शमन और अनुकूलन (मिटिगेशन एंड एडॉप्टेशन) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लोक लेखा समिति की रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण और वन मंत्रालयश 45000 पौधों और 51000 जानवरों की प्रजातियों की पहचान करने के बाबजूद? जैव–विविधता संरक्षण के मोर्चे पर विफल रहा है। भारत में गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा से शुरू होकर गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल के बाद कन्याकुमारी तक जाने वाले 1600 किलोमीटर लंबे इलाके को पश्चिमी घाट पर्वत श्रृंखला कहा जाता है। वर्ष 2010 में पर्यावरणविद् प्रो. माधव गाडगिल की अध्यक्षता में गठित पश्चिमी घाट इकालॉजी एक्सपर्ट पैनलश ने इस संपूर्ण क्षेत्र को पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र का दर्जा दिया था और यहां सीमित खनन का पक्ष लिया था। हालांकि, पेड़ काटने, खनन और अतिक्रमण के कारण पश्चिमी घाट के पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत असर पड़ रहा है। गोवा में 2007 से 2011 तक करीब पैंतीस हजार करोड़ रुपये का अवैध खनन किया गया। इसरो के अध्ययन के अनुसार 1920–2013 में पश्चिमी घाट का 35 फीसद क्षेत्र नष्ट हो चुका है। स्थानीय आदिवासी समुदाय द्वारा छत्तीसगढ़ के हसदेव के जंगलों को बचाने के संघर्ष को राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सुर्खियां मिल चुकी हैं। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय की फारेस्ट एडवाइजरी कमेटी द्वारा 15 जनवरी 2019 को छत्तीसगढ़ में श्परासा ओपन कास्ट कोल माइंसश को फारेस्ट क्लियरेंस दे दिया गया। आदिवासी बहुल सूरजपुर और सरगुजा जिले में स्थित यह क्षेत्र एक लाख सत्तर हजार हेक्टेयर में फैले श्हसदेव अरण्यश का हिस्सा है जो सघन वनों से आच्छादित है। इसी में से 841.538 हेक्टेयर जैव–विविधता से परिपूर्ण हिस्से को खनन के लिए दे दिया गया है, जबकि 2009 में पर्यावरण मंत्रालय ने हसदेव अरण्य को माइनिंग के लिए श्नो गो क्षेत्रश घोषित किया था। हसदेव अरण्य में स्तनपायी जीवों की 34, सरीसृपों की 14, पक्षियों की 111 और मत्स्य वर्ग की 29 प्रजातियां हैं। इसी प्रकार वृक्षों की 86, औषधीय पौधों की 51, झाडी प्रजाति के पौधों की 19 और घास प्रजाति के पौधों की अनेक प्रजातियां यहां मौजूद हैं। श्भारतीय वन सेवाश के पूर्व अधिकारी अशोक कुमार शर्मा और अन्य लोगों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में श्वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980श में किए गए संशोधनों को भारत के जंगलों के लिए श्मृत्यु की घंटी बताया है। वरिष्ठ पत्रकार हृदयेश जोशी बताते हैं कि भारती के 36 जैव–विविधता हॉट–स्पॉट में से चार भारत में हैं, लेकिन आज उन पर भी खतरा मंडराना रहा है। बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और संसाधनों के दोहन से समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को खतरा बढ़ रहा है। जैव–विविधता पर अंतर–सरकारी निकायश (आईपीबीईएस) के अनुसार, पृथ्वी की सतह का तीन–चौथाई हिस्सा पहले ही मानव जाति के लालची उपभोग के कारण काफी हद तक बदल चुका है और दो–तिहाई महासागरों का क्षरण हो चुका है। भारतीय अर्थशास्त्री पवन सुखदेव ने

प्रियंका चोपड़ा ने चैटजीपीटी के साथ की रोमांटिक बात

भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास को चौटजीपीटी से बहुत प्यार है और उन्होंने इसका इजहार खुलेआम कर दिया है। इंस्टाग्राम पर एक रोमांटिक बातचीत साझा की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरीज सेक्शन में कई मीम्स शेयर किए। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान चौटजीपीटी पर गया। यह मीम 1989 में आई सलमान खान की फिल्म मैंने प्यार किया के गाने मेरे रंग में रंगने वाली से लिया गया था। क्लिप में सुपरस्टार अपनी अभिनेत्री भाग्यश्री को प्यार से पकड़े हुए हैं और मेरे सवालों का... जवाब दो लाइन गा रहे हैं। मीम के ऊपर आजकल मैं लिखा था। वहीं सलमान पर मैं टैग था और भाग्यश्री पर चौटजीपीटी। प्रियंका ने इसे साझा करते हुए लिखा एकदम मेरे जैसा, गुड नाइट। ग्लोबल स्टार अक्सर जिंदगी के खूबसूरत और जज्बाती लम्हों को शेयर करती हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पेट डॉग डायना का एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया, जिसमें वह डायना के साथ खेलती नजर आ रही है। प्रियंका ने लिखा, जब मैं काम से घर आती हूं अभिनेत्री अक्सर अपने डॉग की मनमोहक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उन्होंने वीडियो में एरिक कारमेन का गाना हंग्री आइज भी जोड़ा। बता दें कि प्रियंका और उनके पति निक जोनास के पास तीन पेट डॉग्स हैं, जिनके नाम डायना, पांडा और जीनो है। एक इंटरव्यू में, बेवॉच अभिनेत्री ने डायना के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में बात की थी। हालांकि वह अपने तीनों पालतू जानवरों से बेहद प्यार करती है, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि डायना उनके दिल में एक अलग जगह रखती हैं। अपने रिश्ते के बारे में बताते हुए, प्रियंका ने बताया कि डायना पहली पप्पी थी जिसकी उन्होंने पूरी तरह से देखभाल की। उन्होंने यह भी बताया कि डायना

> “
> प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्टोरीज सेक्शन में कई मीम्स शेयर किए। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान चौटजीपीटी पर गया। यह मीम १९८९ में आई सलमान खान की फिल्म मैंने प्यार किया के गाने मेरे रंग में रंगने वाली से लिया गया था। क्लिप में सुपरस्टार अपनी अभिनेत्री भाग्यश्री को प्यार से पकड़े हुए हैं और मेरे सवालों का... जवाब दो लाइन गा रहे हैं।

उनके जीवन में उस दौर में आई जब वो अमेरिका आई थीं और अपने पिता के निधन का शोक मना रही थीं। डायना न्यूयॉर्क में नॉर्थ शोर रेस्क्यू से हैं। प्रियंका के करियर पर एक नजर डाले तो वह अपकमिंग कॉमेडी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ दिखाई देंगी। वह कार्ल अर्बन संग द ब्लफ में एक समुद्री डाकू की भूमिका में दिखेंगी।

उदयपुर में गुपचुप तरीके से शादी के बंधन में बंधे सिंगर नितिन मुकेश के छोटे बेटे नमन, सामने आई फोटोज

मशहूर बॉलीवुड सिंगर नितिन मुकेश के घर में खुशियों का माहौल है। सिंगर के छोटे बेटे नमन नितिन मुकेश गुपचुप तरीके से शादी के बंधन में बंध गए हैं। नमन ने उदयपुर के हवाला स्थित एक फाइव स्टार होटल में अपने सपनों की राजकुमारी त्रिशोना सोनी से शादी रचाई है। शादी समारोह तीन दिनों तक चला, जिसमें नितिन मुकेश का पूरा परिवार, रिश्तेदार और सिर्फ दोस्त ही शामिल हुए। कपल के वेडिंग फंक्शन की शुरुआत 10 नवंबर को हुई। पहले दिन वेलकम डिनर का आयोजन किया गया, जिसमें मेहमानों का पारंपरिक स्वागत हुआ। 11 नवंबर को मेहंदी और संगीत समारोह हुआ। 12 नवंबर को दोपहर में लाइव डीजे का आयोजन हुआ और फूलों की हल्दी रस्म पूरी की गई। फिर इसी शाम नमन ने त्रिशोना संग सात फेरे लिए और शादी के बंधन में बंध गए। वेडिंग वेन्यू पारंपरिक राजस्थानी थीम पर सजा था। इसके बाद 13 नवंबर को परिवार डबोक स्थित एयरपोर्ट से मुंबई के लिए रवाना हुआ और बहू को लेकर घर आया। उदयपुर बॉलीवुड में पसंदीदा वेडिंग डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। इस साल उदयपुर में यह तीसरी बॉलीवुड डेस्टिनेशन वेडिंग थी। जनवरी में आमिर खान की बेटी इरा खान और सनी देओल की भांजी ने भी इसी शहर में शादी की थी।

ए रियल एनकाउंटर सस्पेंस और एक्शन की कहानी, 15 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

थ्रिलर फिल्म ए रियल एनकाउंटर 15 नवंबर को देशभर में रिलीज होने जा रही है, जो एक सच्ची घटना पर आधारित पुलिस एनकाउंटर की कहानी को पेश करेगी। सबीर शेख द्वारा निर्देशित और प्रदीप चुड़ीवाल के मैकनील इंजीनियरिंग लिमिटेड बैनर के तहत निर्मित इस फिल्म में शाहबाज खान ने एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका निभाई है। बाला कृष्ण श्रीवास्तव द्वारा ए वन सिने क्रिएशन के जरिए यह फिल्म पूरे भारत में वितरित की जाएगी। फिल्म की प्रमुख कास्ट में शाहबाज खान, एहसान खान, मुश्ताक खान, रजा मुराद, अली खान, हिमायत आलम अली, अखिलेश वर्मा, ब्रतूति गांगुली, अनिल नागरथ, राकेश पुजारा, संगीता सिंह, ऋषिकेश तिवारी, अमृत दुजारी और कलीम अख्तर जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म का कथानक प्रदीप चुड़ीवाल ने लिखा है, और इसका ट्रेलर पहले से ही दर्शकों को प्रभावित कर चुका है, जिसमें कुछ दमदार संवाद हैं, जैसे अगला एनकाउंटर किसका होगा, ये कोई नहीं जानता और रजा मुराद का प्रभावशाली संवाद ये एनकाउंटर नकली है। हिंदी के अलावा, यह फिल्म गुजराती में भी रिलीज होगी, जिससे इसके क्षेत्रीय संदर्भों का सम्मान किया गया है। इस फिल्म में एक कोर्टरूम ड्रामा भी शामिल है जो पुलिस कर्मियों के सामने आने वाली नैतिक उलझनों और दबाव को उजागर करता है। निर्देशक सबीर शेख ने इस फिल्म के माध्यम से माता–पिता को यह संदेश दिया है कि बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें ताकि वे सही रास्ते पर रहें। वहीं, मुश्ताक खान ने इस फिल्म में मस्कान के पिता का भावुक किरदार निभाया है, जबकि अनिल नागरथ एक राजनीतिज्ञ की भूमिका में नजर आएंगे, जो राजनीति के गहरे पहलुओं को उजागर करता है। 15 नवंबर को ए रियल एनकाउंटर सिनेमाघरों में देखें और एक्शन, सस्पेंस और सामाजिक मुद्दों से भरपूर इस फिल्म का लुत्फ उठाएं।

देर रात आउटिंग पर निकली रिहाना, 2 बच्चों की मां के इस लुक ने उड़ाए सबके होश

पॉप सिंगर रिहाना को हाल ही में वेस्ट हॉलीवुड स्थित द नाइस गाइ में स्पॉट किया गया। इस दौरान हसीना का बोल्ड लुक देखने को मिला। अपनी नाइट आउट के लिए 36 की डिस्टर्बिया हिटमेकर ने फ्रिंज के साथ एक रेड ट्रांसपेरेंट स्कर्ट पहनी थी। ग्लैमरस टच के लिए रिहाना ने एक कंधे पर लाल फर का शॉल डाला हुआ था। उसके कंधों तक लम्बे काले बाल लहरा रहे थे। रिहाना ने अपनी भूरी आंखों को लाल डिजाइनर धूप के चश्मे के पीछे छिपा रखा था। रिहाना (जो लोकप्रिय मेकअप ब्रांड फेंटी ब्यूटी की मालिक हैं) ने हीरे के कंगन और गोल्ड की घड़ी से लुक को पूरा किया। नौ बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता ने अपने लुक को दो सोने की चेन वाले नेकलेस से और भी बेहतर बनाया। आउटिंग के लिए भूरे और भूरे रंग का चेकर्ड प्रिंट वाला हैंडबैग कैरी किया। रिहाना की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वरीों को काफी पसंद कर रहे हैं।

शिल्पा शिरोडकर के सामने रो पड़े करणवीर मेहरा, अपने ही उपर उठा दिए बड़े सवाल

बिग बॉस 18 हर बीतते दिन के साथ और भी रोमांचक होता जा रहा है। हर घंटे लड़ाई–झगड़े हो रहे हैं। घर दो टीमों में बंटा हुआ है, ऐसे में साफ तौर पर विभाजन हो गया है। दुश्मन हैं, लेकिन दोस्त भी हैं! वीकेंड का वार में करणवीर मेहरा को अक्सर स्टैंड न लेने और घर के इर्द–गिर्द घूमने वाले मामलों में शामिल न होने के लिए दोषी ठहराया जाता है। लेकिन वह एक बात को लेकर साफ रहे हैं कि घर में उनके दोस्त कौन हैं। चुम दरंग, श्रुतिका अर्जुन और शिल्पा शिरोडकर उनके दोस्त हैं। लेकिन किस बात ने उन्हें रुलाया?

बिग बॉस 18: करणवीर मेहरा ने अपने ही कामों पर उठाए सवाल

बिग बॉस 18 के हालिया प्रोमो में हम देखते हैं कि करणवीर मेहरा रो पड़े क्योंकि उन्हें लगा कि उन्होंने अपने दोस्त चुम दरंग के लिए स्टैंड नहीं लिया। चुम और चाहत पांडे के बीच लड़ाई हुई। टाइम गॉड टास्क के दौरान दोनों महिलाओं के बीच तीखी बहस हुई। चुम ने शिल्पा शिरोडकर को इस हफ्ते का टाइम गॉड बनने के लिए सपोर्ट किया।

चाहत पांडे भी टाइम गॉड बनने की रेस में थीं। इसलिए टास्क के दौरान ऐसी बहस हुई जिसने घर को हिलाकर रख दिया। टास्क के बाद चम ने करण वीर मेहरा का सामना किया और कहा कि उस पर भरोसा करना मुश्किल है क्योंकि वह स्टैंड नहीं लेता है। वह कहती है कि वह कुछ कहता है लेकिन उसके काम कुछ और ही बयां करते हैं। इससे करण वीर मेहरा बहुत आहत होता है। प्रोमो में, हम करण वीर मेहरा को शिल्पा शिरोडकर से बात करते हुए देखते हैं। वह कहता है कि उसे बुरा लगता है कि उसने चम के लिए स्टैंड नहीं लिया जबकि उसे लेना चाहिए था। वह कहता है कि वह एक दोस्त के रूप में असफल रहा क्योंकि वह उस समय मौजूद नहीं था जब उसके दोस्त को उसकी जरूरत थी। वह अपने खुद के कामों पर सवाल उठाता है और काफी हिल जाता है। वह कहते हैं, ‘45 साल का आदमी हूं यार, और मैंने अपने दोस्तों के लिए दोस्ती नहीं की। मैं दोस्ती का हकदार नहीं हूं। करण वीर मेहरा ने साफ तौर पर कहा है कि चुम दरंग के लिए उनके दिल में एक सॉफ्ट कॉर्नर है। जब श्रुतिका ने कहा कि वह चाहती है कि चुम उसके भाई आदित्य को डेट करे और वह सहमत हो गई, तो करण वीर ने कबूल किया कि उसे जलन महसूस हो रही है।

घर पर कार्टन और डिस्पोजल से बनाएं खूबसूरत विंड चाइम्स, ठहर जाएगी हर किसी की नजर

अक्सर त्योहार पड़ने पर हम सभी अपने घरों को सजाते हैं। हालांकि मार्केट में आपको घर की सजावट के लिए एक से बढ़कर एक शोपीस मिल जाएंगे। लेकिन अक्सर हमारे मन में एक बात जरूर आती है कि मार्केट से सामान खरीदने पर उनका डेकोरेटिव आइटम्स कहीं अड़ोसी–पड़ोसी से न मैच हो जाए। इसलिए ज्यादातर फोकस इस बात पर रहता है कि घर के साथ ही सजावट का सामान भी अलग और यूनिक होना चाहिए। ऐसे में आज हम आपकी इस परेशानी को दूर करने के लिए एक बेहद शानदार तरीका बताने जा रहे हैं। दरअसल, आप चाहें तो घर पर ही कुछ डेकोरेटिव आइटम्स बना सकते हैं, जैसे– कार्टन, डिस्पोजल और सफेद मोतियों की मदद से आप घर पर बड़ी आसानी से विंड चाइम्स बना सकते हैं। इसमें सबसे अच्छी बात यह है कि यह आपका यूनिक पीस लगेगा और इसको बनाने में ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं करने होंगे।

विंड चाइम्स बनाने की सामग्री

टी कप डिस्पोजल

सफेद मोती

कार्टन

राउंड शेप कांच

कलर और धागे

डिस्पोजल करें तैयार

सबसे पहले टी कप वाले डिस्पोजल को अपने पसंद के हिसाब से पेंट कर लीजिए। अब थोड़ी दूर–दूर पर कांच लगाकर आसपास सफेद कलर की बिंदी–बिंदी बना लीजिए। फिर डिस्पोजल के ऊपर–नीचे ट्रायंगल शेप में डिजाइन बनाइए। इस तरह आपको 7 डिस्पोजल डिजाइन करने हैं। इसके बाद सबको अलग–अलग सफेद मोती लगे धागों से अलग–अलग बांध दें।

ऐसे बनकर हो जाएगा तैयार

आखिरी में एक राउंड शेप कार्टन लेकर उसे डिस्पोजल वाले कलर से ही पेंट कर लीजिए। अब 7 डिस्पोजल के लिए कार्टन में 7 छेद कर लीजिए। अब इन छेदों में डिस्पोजल के धागों को डालें और इसे इस तरही के बांधें कि एक छोटा तो दूसरा उससे बड़ा और तीसरा उससे बड़ा हो। इस तरह करके आपको सभी को एक दूसरे से बड़े रखना है। इस आसान तरीके से खूबसूरत विंड चाइम्स बनकर तैयार हो जाएगा।

दिल की सेहत के लिए अपनाएं ये आदतें, हार्ट अटैक का खतरा हो जाएगा कम

दिल हमारे शरीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लगातार धड़कते हुए हमें जीवन देता है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में युवाओं में हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा है। खासकर 30–40 की उम्र के लोग अधिक प्रभावित हो रहे हैं। खराब जीवनशैली, अनहेल्दी खानपान, और तनाव जैसे कारण दिल की सेहत पर बुरा असर डालते हैं। फिर भी, कुछ ऐसी आदतें हैं, जो दिल को स्वस्थ बनाए रखती हैं और हार्ट अटैक का खतरा कम करती हैं।

किन आदतों से दिल की सेहत बनी रहती है?

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं

आजकल की जीवनशैली में देर रात तक जागना, सुबह देर से उठना, और फास्ट फूड खाना आम हो गया है। ऐसे में शरीर को आराम नहीं मिल पाता और धीरे–धीरे मोटापा, ब्लड प्रेशर, और डायबिटीज जैसी समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। जो लोग समय पर सोने और जल्दी उठने की आदत अपनाते हैं, उनके शरीर की एनर्जी और मेटाबॉलिज्म बेहतर रहते हैं। स्वस्थ जीवनशैली में संतुलित दिनचर्या शामिल होती है, जैसे कि पर्याप्त आराम, उचित व्यायाम, और स्वस्थ खानपान। इसका पालन करने से दिल की सेहत लंबे समय तक अच्छी बनी रहती है और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

संतुलित आहार का सेवन करें

स्वस्थ दिल के लिए संतुलित आहार का सेवन बेहद आवश्यक है। ऐसा आहार जिसमें विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स हों, वह दिल की सेहत के लिए लाभकारी होता है। संतुलित आहार में फलों और सब्जियों के साथ, साबुत अनाज और ओमेगा–3 फैटी एसिड युक्त खाद्य पदार्थ जैसे मछली और नट्स शामिल करें। ये चीजें न केवल दिल को मजबूती देती हैं बल्कि खराब कोलेस्ट्रॉल को भी कम करती हैं, जिससे धमनियों में रुकावट नहीं होती और ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है।

नियमित एक्सरसाइज करें

दिल को स्वस्थ रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। व्यायाम करने से दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और पूरे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है। रोजाना 30 मिनट की वॉक, जॉगिंग, साइकिलिंग, या स्विमिंग जैसी एक्टिविटीज से दिल की क्षमता बढ़ती है। एक्सरसाइज से शरीर में कैलोरी बर्न होती है और तनाव भी कम होता है, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद है। इससे हृदय रोगों का खतरा भी कम होता है और शरीर को अधिक समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है।

तनाव को नियंत्रित रखें

जिंदगी के प्रेशर और तनाव का दिल पर गहरा असर पड़ता है। तनाव के कारण शरीर में कोर्टिसोल नामक हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे ब्लड प्रेशर और हृदय गति पर असर पड़ता है। जो लोग तनाव को नियंत्रित रखते हैं, उनके दिल की सेहत बेहतर रहती है। तनाव को कम करने के लिए ध्यान, मेडिटेशन, योग, और गहरी सांसें लेना उपयोगी होता है। रोजाना कुछ समय निकालकर मानसिक शांति के लिए काम करें, जैसे कि किताब पढ़ना, संगीत सुनना, या किसी शौक को समय देना। यह दिल को स्वस्थ रखने में सहायक साबित होता है।

अच्छी नींद लें

अच्छी नींद दिल की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। जब हम सोते हैं तो दिल को भी आराम मिलता है और रक्त संचार सही रहता है। रोजाना 7–8 घंटे की गहरी नींद लेने से दिल पर तनाव नहीं पड़ता और शरीर का ऊर्जा स्तर भी बेहतर रहता है। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के अनुसार, रात में जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने से हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है। अच्छी नींद का मतलब न सिर्फ समय पर सोना बल्कि बिना किसी रुकावट के गहरी नींद लेना भी है।

धूम्रपान और शराब से बचें

धूम्रपान और शराब का सेवन दिल की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। धूम्रपान से दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं और रक्त संचार बाधित होता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है। शराब का सेवन भी दिल की धड़कन को असामान्य कर सकता है और रक्तचाप बढ़ा सकता है। जो लोग इन बुरी आदतों से बचते हैं, उनका दिल स्वस्थ रहता है। धूम्रपान और शराब छोड़ने के बाद दिल की सेहत में तेजी से सुधार होता है और रक्त संचार सामान्य स्थिति में आ जाता है। इन आदतों को अपनाकर और संतुलित जीवनशैली का पालन कर, दिल को स्वस्थ रखा जा सकता है और दिल की बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों की सलाह और छोटी–छोटी हेल्दी आदतें जीवन में शामिल कर, दिल की बीमारियों से दूर रहना संभव है।

घी या ऑलिव ऑयल सेहत के लिए क्या है ज्यादा असरदार?

घी और ऑलिव ऑयल, दोनों ही स्वस्थ जीवनशैली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऑलिव ऑयल का प्रचलन हाल के वर्षों में बढ़ा है और यह यूरोप से भारत आया है। दूसरी ओर, घी भारतीय खानपान का अभिन्न हिस्सा रहा है। दोनों में से कौन अधिक फायदेमंद है, यह जानने के लिए इनकी विशेषताओं और फायदों को समझना जरूरी है।

घी और ऑलिव ऑयल में अंतर

घी में सैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देते हैं और आंतों को मजबूत बनाते हैं। दूसरी ओर, ऑलिव ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो दिल के लिए फायदेमंद होते हैं और सूजन को कम करते हैं। घी का उपयोग उच्च तापमान पर भी किया जा सकता है, जबकि ऑलिव ऑयल केवल 320°F तक ही सुरक्षित रहता है। इसलिए, डीप फ्राई जैसे उच्च तापमान वाले पकवानों के लिए घी अधिक उपयुक्त होता है, जबकि हल्की सब्जियों और सलाद के लिए ऑलिव ऑयल बेहतर है।

घी के फायदे

पाचन को सुधारता है

घी को पचाना आसान होता है और यह आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इसमें ब्यूटिरिक एसिड पाया जाता है, जो आंतों की सूजन को कम करता है और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम के लिए फायदेमंद होता है। इसका नियमित सेवन पाचन क्रिया को सुचारू रखता है और अपच जैसी समस्याओं से बचाता है।

हड्डियों को मजबूत बनाता है

घी कैल्शियम और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो हड्डियों की मजबूती को बढ़ाता है। इसमें पाया जाने वाला विटामिन ज्ञ2 हड्डियों में कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाता है, जिससे हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव होता है।

स्किन में ग्लो लाता है

घी के पोषक तत्व त्वचा को भीतर से पोषण देते हैं और त्वचा में चमक लाते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन के त्वचा को युवा बनाए रखते हैं और त्वचा को ड्राईनेस, रिंकल्स और एजिंग से बचाते हैं। इसे आप स्किन पर सीधे भी लगा सकते हैं जिससे स्किन सॉफ्ट और हाइड्रेटेड रहती है।

इम्यूनिटी को बूस्ट करता है

घी में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इसमें मौजूद ब्यूटिरिक एसिड शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या को बढ़ाता है, जो रोगों से लड़ने में मदद करते हैं। घी का नियमित सेवन शरीर को विभिन्न संक्रमणों से लड़ने में अधिक सक्षम बनाता है।

ऑलिव ऑयल के फायदे

हार्ट फ्रेंडली

ऑलिव ऑयल में मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स होते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। इसमें मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड ब्लड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय रोगों का जोखिम कम होता है। यह खून में बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है।

मोटापा नियंत्रित रखता है

ऑलिव ऑयल का नियमित सेवन शरीर में फैट के जमाव को कम करता है। इसमें पाए जाने वाले स्वस्थ फैट्स मेटाबोलिज्म को सुधारते हैं और वजन घटाने में मदद करते हैं। इसे सलाद ड्रेसिंग या हल्के खाने में शामिल करना वजन को संतुलित बनाए रखने में सहायक होता है।

सूजन को कम करता है

ऑलिव ऑयल में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो शरीर की सूजन और दर्द को कम करने में सहायक होते हैं। इसमें मौजूद ओलेओकैंथल नामक कंपाउंड प्राकृतिक दर्द निवारक के रूप में काम करता है और गठिया, जोड़ों में दर्द जैसी सूजन वाली समस्याओं से राहत दिलाता है।

ब्लड प्रेशर को संतुलित करता है

ऑलिव ऑयल में पोटेशियम, एंटीऑक्सीडेंट्स और हेल्दी फैट्स होते हैं जो ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखते हैं। इसका नियमित सेवन हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम करता है और रक्त वाहिकाओं को लचीला बनाता है। यह हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को भी कम करने में सहायक होता है। घी और ऑलिव ऑयल दोनों ही अपने–अपने ढंग से सेहत के लिए फायदेमंद हैं। दिल के मरीजों और वजन घटाने की चाह रखने वालों के लिए ऑलिव ऑयल अच्छा है, जबकि हड्डियों की मजबूती और पाचन में सुधार के लिए घी बेहतर है। अपनी आवश्यकताओं, स्वाद और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आप इन दोनों में से किसी एक का चुनाव कर सकते हैं।

महंगे-महंगे स्किन केयर में मौजूद सैलिसिलिक एसिड घर पर बनाएं, इन 2 चीजों की होगी जरुरत

स्किन केयर आजकल सभी लोग करते हैं। महिला के सहित पुरुष भी अपनी स्किन की देखभाल करते हैं। जब आप महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट खरीदते हैं तो सैलिसिलिक एसिड, विटामिन सी और कोजिक एसिड जैसे ब्यूटी एक्टिव्स देखने को जरुर मिलते हैं। अगर आप बिना पैसे खर्च किए अपने ही घर पर सैलिसिलिक एसिड तैयार करेंगे तो और बढ़िया रहेगा।

इस तरह से 2 चीजों से बनाएं सैलिसिलिक एसिड

अगर आप इसे घर पर बना लेंगे तो आपके स्किन केयर के पैसे जरुर बच जाएंगे। इसे बनाने के लिए टमाटर और कॉर्न स्टार्च का इस्तेमाल किया है। सैलिसिलिक एसिड बनाने के लिए आप एक आधा कटा टमाटर लें और उसमें कॉर्न स्टार्च डालकर अपने चेहरे पर स्क्रब करें। यह आपके स्किन से सारी गंदगी को साफ करने में मदद करता है। डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है और नई चमकदार त्वचा बनाता है।

सैलिसिलिक एसिड के स्किन के लिए फायदे

एक स्टडी मुताबिक, सैलिसिलिक एडिस का इस्तेमाल 2000 से ज्यादा सालों से अलग–अलग स्किन प्रोब्लेम्स का इलाज करने के लिए किया जाता है। वैसे सैलिसिलिक एसिड की कॉमडॉलिटिक प्रॉपर्टी इसे मुंहासे वाले रोगियों के लिए अच्छा और फायदेमंद पीलिंग एजेंट बनाता है।

संक्षिप्त

अर्थव्यवस्था में वृद्धि को गति देने के लिए दरों को घटाए आरबीआई , बढ़ती महंगाई पर बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के सामने कुछ मांगे रखी है। जिसमें उन्होंने कहा कि विकास को रफ्तार देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दरों में कटौती का विकल्प चुनने के लिए खाद्य महंगाई पर विचार करना गलत सिद्धांत है। जिससे महंगाई दिसंबर में कम हो सकती है। गुरुवार को एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा, खाद्य पदार्थों के दाम में तेजी से खुदरा महंगाई के प्रबंधन का कोई लेना–देना नही है। अब समय आ गया है, जब नीति निर्माता और मौद्रिक नीति समिति एक साथ तय करें कि क्या खाद्य पदार्थों के दाम को खुदरा महंगाई की गणना करने में शामिल किया जाए या नहीं। उन्होंने कहा कि इस पर गंभीरता से चर्चा हो। अर्थव्यवस्था को रफ्तार की जरूरत है। मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई ने चुनिंदा अवधि वाले कर्ज की ब्याज दरों में 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें शुक्रवार से लागू होंगी। बैंक ने बताया, एक साल के कर्ज की ब्याज दर अब 9 फीसदी होगी। बैंक ने तीन और छह महीने की अवधि वाले कर्जों को भी महंगा कर दिया है। हाल के समय में दो बार कर्ज महंगा किया है। इसका कारण जमा जुटाने के लिए ज्यादा ब्याज देना पड़ रहा है।

एशियाई वृद्धि की अगली लहर का नेतृत्व करेगा भारत, मॉर्गन स्टेनली का दावा, चीन का योगदान तेजी से घटेगा

नई दिल्ली। भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएं एशिया के विकास की अगली लहर को चलाने के लिए तैयार हैं, क्योंकि क्षेत्र के विकास में चीन का योगदान घटने वाला है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडोनेशिया, फीलीपीन और मलयेशिया जैसी अन्य उभरती दक्षिण पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के साथ एशिया में विकास की अगली लहर का नेतृत्व भारत करेगा।

क्या कहता है रिपोर्ट?

गुरुवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, उपरोक्त चार अर्थव्यवस्थाओं का सामूहिक रूप से 2027 तक एशिया के नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी वृद्धि में 53 प्रतिशत योगदान होने की उम्मीद है। कोरोना से पहले के समय में 33 फीसदी का योगदान था। रिपोर्ट के अनुसार, उपरोक्त प्रकार के बदलाव तब आते हैं, जब जनसांख्यिकीय परिवर्तन, नीतिगत प्राथमिकताएं और देश मिलकर क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को नया आकार देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ दशकों में एशिया का आर्थिक आकार तेजी से बढ़ा है। 1980 में इसकी नॉमिनल जीडीपी केवल 2.1 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 2024 में अनुमानित 34 लाख करोड़ डॉलर हो गई है। 2027 तक एशिया की जीडीपी 39 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगी। इससे एशिया सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्रमुख आर्थिक क्षेत्र बन जाएगा। हालांकि, इसकी गति ऐतिहासिक रिकॉर्ड की तुलना में धीमी हो सकती है। विकास चालकों में यह बदलाव बदलती जनसांख्यिकी और विकसित होती सरकारी नीतियों को दर्शाता है। चीन की आबादी बूढ़ी हो रही है व उसकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आ रही है। एशिया में युवा, उच्च विकास वाली अर्थव्यवस्थाएं बड़ी भूमिका निभा रही हैं। भारत, इंडोनेशिया, फीलीपीन और मलयेशिया अनुकूल जनसांख्यिकीय रुझानों और आर्थिक विस्तार पर केंद्रित नीतियों से लाभान्वित होते हैं। ये घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेश को तेजी से आकर्षित कर रहे हैं।

बाजार में बढ़ी मेटा की मुश्किलें, अनुचित बर्ताव के लिए ईयू ने लगाया 71.30 अरब रुपये का जुर्माना

लंदन। यूरोपीय संघ (ईयू) नियामकों ने फेसबुक की मूल कंपनी मेटा पर गुरुवार को लगभग 800 मिलियन यूरो यानी 71.30 अरब रुपये का जुर्माना लगाया है। ईयू ने मेटा पर अपनी ही ऑनलाइन क्लासीफाइड विज्ञापन कारोबार से जुड़ी कंपनी फेसबुक मार्केटप्लेस को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए जिम्मेदार

ठहराया है। मेटा ने इन आरोपों से साफ इन्कार करते हुए इसके खिलाफ अपील की बात कही हैं।

मेटा पर लगा इतने करोड़ का जुर्माना

27 देशों के ब्लॉक यूरोपीय आयोग की कार्यकारी शाखा और शीर्ष प्रतिस्पर्धा विरोधी प्रवर्तक ने मेटा पर 797.72 मिलियन यूरो का जुर्माना लगाया। आयोग ने मेटा के खिलाफ चल रही जांच में पाया कि उसने अपनी ताकत का बेजा इस्तेमाल किया और अपने विज्ञापन कारोबार को अपने सोशल नेटवर्क से जोड़कर प्रतिस्पर्धा बिगाड़ने का आरोप है।

अन्य कंपनियों को हुई मुश्किल

मेटा ने फेसबुक उपयोगकर्ताओं को चाहे वे चाहें या न चाहें मार्केटप्लेस के विज्ञापन दिखाए। इससे अन्य कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया। मेटा पर यह भी आरोप है कि उसने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर अन्य कंपनियों के विज्ञापनों से डाटा का इस्तेमाल मार्केटप्लेस के फायदे के लिए किया। हालांकि, मेटा ने अपने बयान में कहा है कि वह इस जुर्माने से असहमत है।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का एलान, विलियम्सन की वापसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम का एलान कर दिया है। स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की घरेलू सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ सितंबर में लगी ग्रोइन की चोट के कारण क्रिकेट से दूर रहे विलियमसन 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शुरू होने वाली सीरीज में खेलते दिखेंगे।

चोट के कारण विलियम्सन न्यूजीलैंड के हालिया भारत दौरे से बाहर हो गए थे। तब टॉम लाथम की अगुआई में न्यूजीलैंड ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम पर 3–0 से जीत दर्ज की थी। उनकी वापसी से न्यूजीलैंड के पास आईसीसी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। टॉम लाथम कप्तान बने रहेंगे, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी, जिन्होंने हाल ही में घोषणा की थी कि वह इस विश्व टेस्ट चौंपियनशिप चक्र के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, को भी टीम में शामिल किया गया है। अगर न्यूजीलैंड फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करती है तो साउदी का टेस्ट करियर हैमिल्टन में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में समाप्त हो सकता है। न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने अनुभव और युवाओं के मिश्रण के साथ एक संतुलित टीम का चयन किया, लेकिन कुछ बड़े नामों को भी बाहल किया। तेज गेंदबाज बेन सियर्स और काइल जैमीसन चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं, जबकि मध्यक्रम के बल्लेबाज मार्क चौपमैन की जगह विलियम्सन को टीम में शामिल किया गया है। हाल ही में भारत के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करने वाली स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और ईश सोढ़ी को इस सीरीज के लिए गेंदबाजी लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, उनके साथी स्पिनर मिचेल सैंटनर के दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की उम्मीद है। वह मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे हैं।

उभरते हुए ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को अपने मजबूत घरेलू प्रदर्शन के बाद कॉल–अप मिला। चयनकर्ता सैम वेल्स ने सीरीज के लिए उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह सीरीज हमारे लिए न केवल विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के लिहाज से बल्कि अपने बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक टिम साउदी को विदाई देने के लिए भी महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड क्रिकेट में टिम का योगदान अमूल्य है और मुझे विश्वास है कि टीम और फैंस समान रूप से एक सम्मानित इंग्लिश टीम के खिलाफ इस हाई–प्रोफाइल सीरीज में उन्हें सम्मानित करने के लिए उत्सुक होंगे।

न्यूजीलैंड टेस्ट टीम : टॉम लाथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, विल ओश्रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर (दूसरा और तीसरा टेस्ट), नाथन स्मिथ, टिम साउदी, केन विलियम्सन, विल यंग।

जोहानिसबर्ग में साउथ अफ्रीका को हराकर सीरीज जीतना चाहेगा भारत, जानें पिच और मौसम रिपोर्ट

मौजूदा समय में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर है। जहां दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है, इसमें से दो मैचों में भारत बल्कि एक में मेजबान साउथ अफ्रीका टीम को जीत मिली है। वहीं अब दोनों के बीच आखिरी और निर्णायक मैच खेला जाएगा, जिसे भारतीय टीम जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। वहीं मेजबान टीम भी इस मैच को जीतकर सीरीज को 2–2 से बराबर करना चाहेगी। हालांकि, भारत के लिए चिंता कप्तान सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को लेकर होगी। सूर्या ने अभी तक इस सीरीज में कोई बड़ी पारी नहीं खेली है। जबकि सीरीज के पहले ही मैच में शतक लगाने वाले संजू पिछले दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाए थे। वह मार्को येनसेन के खिलाफ कुछ कमाल दिखाने की कोशिश जरूर करेंगे।

जोहानिसबर्ग की पिच रिपोर्ट

शुक्रवार 15 नवंबर को जोहानिसबर्ग के वान्डर्स स्टेडियम की पिच की बात करें तो, इस मैदान का इतिहास रहा है कि यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग कही जाती है। यहां टी20 क्रिकेट में ज्यादातर मौकों पर बड़े–बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं यहां का औसत स्कोर 171 रन है।

आंकड़े

वहीं यहां टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना ही पसंद करेगी क्योंकि यहां अब तक खेले 26टी20 मैचों में 13 बार पहले बैटिंग करने वाली टीम को जीत मिली है। जबकि इतनी ही बार बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली है। स्पिनर्स के लिए भी इस पिच पर मौकों से इनकार नहीं किया जा सकता। आखिरी बार जब भारतीय टीम इस मैदान पर खेली थी तब कुलदीप यादव ने यहां 5 विकेट अपने नाम किए थे। ऐसे में वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई के लिए भी यहां मौके मौजूद होंगे।

मौसम रिपोर्ट

जोहानिसबर्ग के मौसम की अगर बात करें तो यहां क्रिकेट के लिहाज से परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम वेबसाइट एक्यूवेदर की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां बारिश के कोई आसार नहीं हैं और आसामान साफ रहेगा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 23डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 14डिग्री पर रहेगा, जो क्रिकेट के लिए शानदार है।

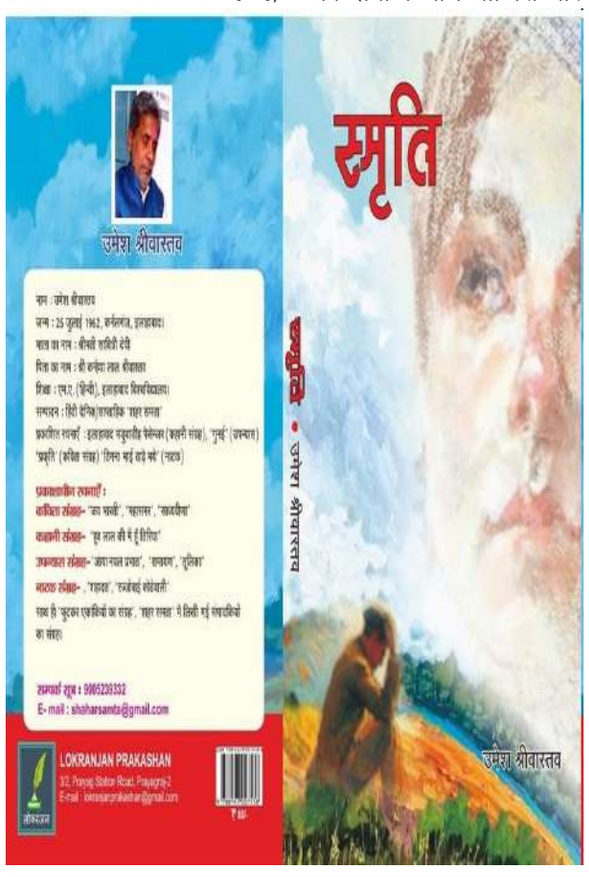

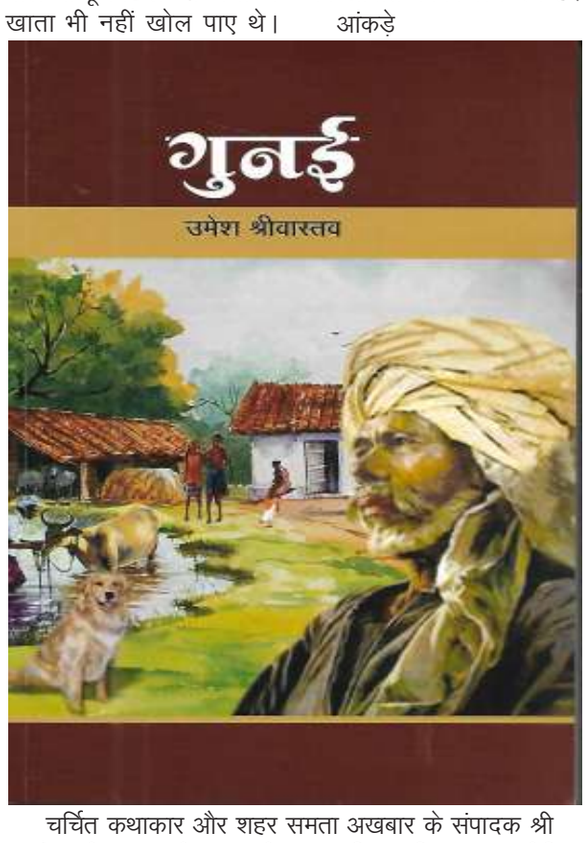

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

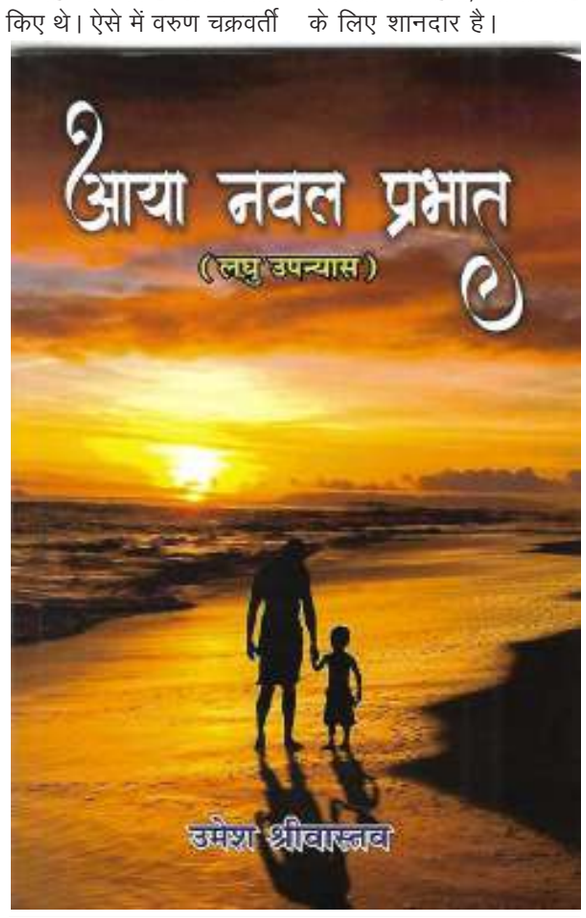

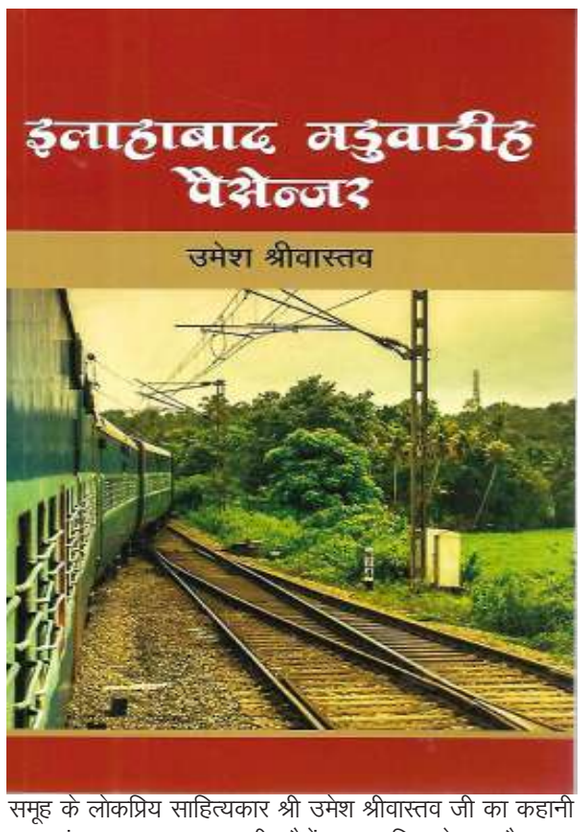

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

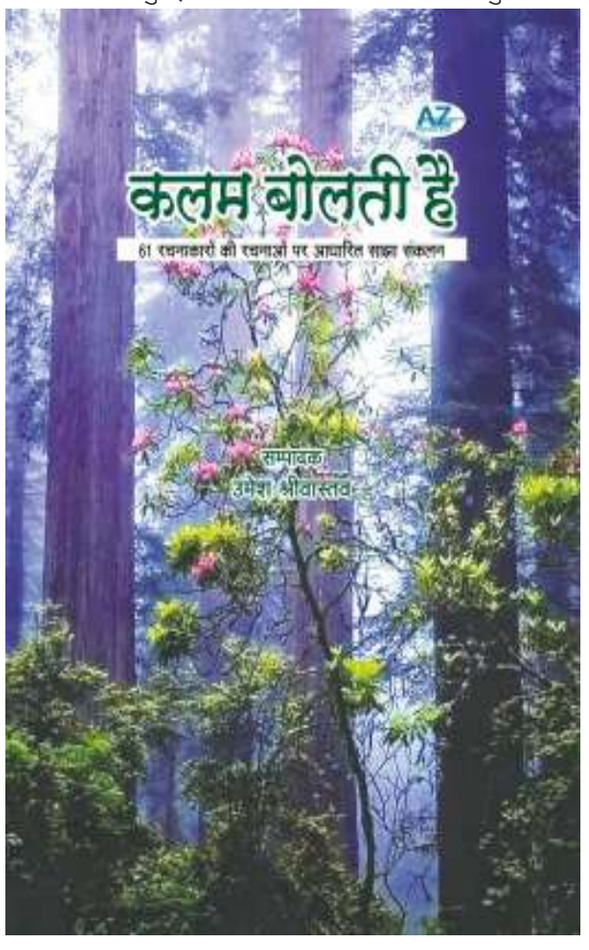

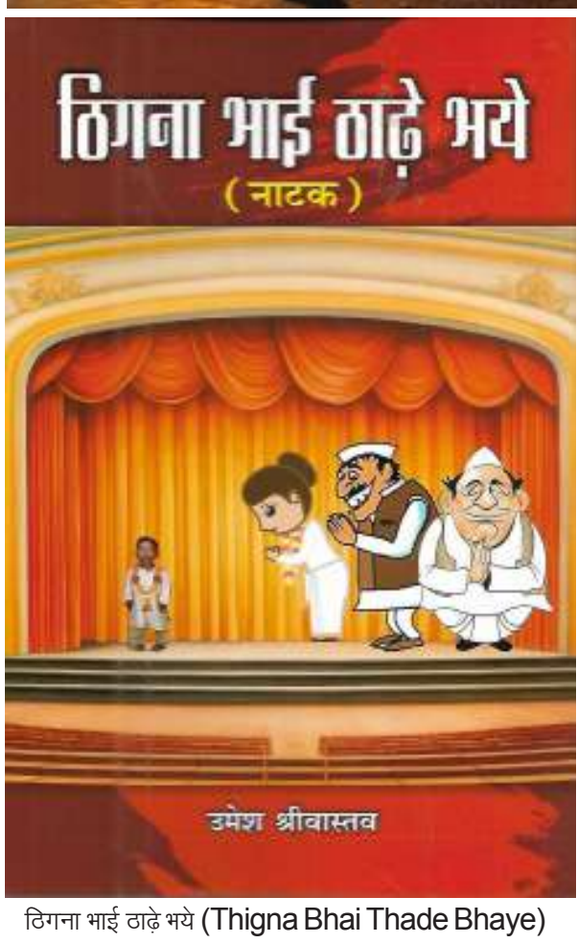

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए पेरू पहुंचे जो बाइडन

राष्ट्रपति जो बाइडन अपने कार्यकाल के अंतिम प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लैटिन अमेरिका की छह दिवसीय यात्रा पर बृहस्पतिवार को पेरू पहुंचे। विश्व भर के नेताओं का ध्यान इस ओर है कि डोनाल्ड ट्रंप का राष्ट्रपति बनना उनके देशों के लिए कितना महत्व रखता है। बाइडन के लिए पेरू में एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन की यात्रा और ब्राजील में अमेजन

वर्षावन जाना तथा जी–20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में शिरकत करना राष्ट्रपति के रूप में उन राष्ट्राध्यक्षों से मिलने का अंतिम अवसर है, जिनके साथ उन्होंने वर्षों से काम किया है। लेकिन विश्व भर के नेताओं की निगाहें अब ट्रंप पर टिकी हुई हैं। वे पहले ही ट्रंप को फोन पर बधाई दे चुके हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक येओल गोल्फ प्रेमी ट्रंप से घुलने मिलने का मौका तलाशने के लिए गोल्फ खेल का सहारा ले रहे हैं। 'व्हाइट हाउस' के अधिकारियों ने कहा कि बाइडन की यात्राएं महत्वपूर्ण होंगी। उनके कार्यक्रमों में जलवायु मुद्दों, वैश्विक बुनियादी ढांचे, मादक पदार्थों के विरोधी प्रयासों पर बातचीत और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित वैश्विक नेताओं के साथ आमने–सामने की बैठकें एवं दक्षिण कोरिया के यून और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ एक संयुक्त बैठक शामिल होगी। बाइडन की दक्षिण अमेरिका यात्रा 'व्हाइट हाउस' में ट्रंप से मुलाकात के एक दिन बाद हुई है। इस मुलाकात में गाजा, लेबनान और यूक्रेन में संघर्षों पर चर्चा हुई। ट्रंप ने बाइडन के साथ बातचीत के बाद न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया '' मैंने उनसे उनके विचार पूछे और उन्होंने मुझे अपने विचार साझा भी किए।

श्रीलंका संसदीय चुनाव में सत्तारूढ़ एनपीपी पूर्ण बहुमत की ओर अग्रसर

श्रीलंका में बृहस्पतिवार को हुए संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ दल 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) पूर्ण बहुमत की ओर अग्रसर है। शुक्रवार सुबह स्थानीय समयानुसार छह बजे तक की मतगणना में एनपीपी को राष्ट्रीय स्तर पर करीब 62 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। उसने जिलों से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के तहत प्रस्तावित 196 सीटों में से 35 सीटें हासिल की हैं। मुख्य विपक्षी दल 'समागी जना बालवेगया' (एसजेबी) को 18 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे समर्थित 'नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एनडीएफ) को पांच प्रतिशत से कम वोट मिले हैं। एसजेबी ने आठ सीट जीती हैं जबकि एनडीपी को एक सीट मिली है। राजपक्षे परिवार की 'श्रीलंका पीपुल्स फ्रंट' (एसएलपीपी) को दो सीट पर जीत हासिल हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में अब एनपीपी को ज्यादा बढ़त मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि एनपीपी 225 सदस्यीय सदन में 150 सीट से अधिक पर जीत हासिल करेगी।

इजराइली हमलों में कम से कम 12 लेबनानी बचावकर्मी और सीरिया में 15 लोग मारे गए

इजराइल के हवाई हमले में लेबनान की राजधानी बेरूत के पूर्वी शहर बालबेक स्थित नागरिक सुरक्षा केंद्र में बृहस्पतिवार को कम से कम 12 बचावकर्मी मारे गए। बचाव अभियान में लगे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लेबनान पर इस हवाई हमले के कुछ घंटों पहले सीरिया की सरकारी मीडिया ने कहा था कि इजराइल के हमले में उसके 15 लोग मारे गए हैं। लेबनान के आपातकालीन कर्मचारी इजराइल के हमले में नष्ट हो चुके बचाव केंद्र के फंसे अपने साथियों की तलाश में मलबे को हटाने के काम में लगे हैं। इजराइली सेना ने इस हमले को लेकर तत्काल कोई बयान नहीं दिया है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने ''लेबनानी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर बर्बर हमले'' की निंदा की और कहा कि ''यह दो घंटे से भी कम समय में स्वास्थ्य केन्द्र पर इजराइल का दूसरा हमला है।'' इससे पहले सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि इजराइल ने दमिश्क और आस पास के क्षेत्रों पर कम से कम दो हवाई हमले किए जिसमें 15 लोग मारे गए और 16 अन्य घायल हो गए।

स्पेन में एक रिटायरमेंट होम में लगी भीषण आग, कम से कम 10 लोगों की मौत, राहत–बचाव कार्य जारी

स्पेन के विलाफ्रांका डेल एब्रो में एक रिटायरमेंट होम जार्डिन्स डी विलाफ्रांका में शुक्रवार को भयंकर आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय समयानुसार सुबह के पांच बजे आग लगी। आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कम से कम दो घंटे लगे। स्थानीय सरकार के प्रतिनिधि के अनुसार, अधिकारी यह पुष्टि करने में असमर्थ थे कि हताहत होने वाले सभी लोग रिटायरमेंट होम से ही थे या नहीं। बता दें कि रिटायरमेंट होम में 82 बुजुर्ग रहते हैं। इस हादसे में एक की हालत गंभीर है, जबकि अन्य का इलाज जारी है। घटना की जानकारी पाकर दमकल की गाड़ियों के साथ पुलिस और एंबुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंची।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

श्रीलंका संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति दिसानायके का जलवा बरकरार, संसदीय चुनाव में बहुमत हासिल किया

राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) पार्टी ने गुरुवार को हुए संसदीय चुनाव में बहुमत हासिल किया। श्रीलंका के चुनाव आयोग के अनुसार, गठबंधन ने 107 सीटें हासिल की हैं। दिसानायके ने अचानक हुए आम चुनाव में शानदार जीत हासिल की, जिससे देश के नए वामपंथी राष्ट्रपति को गरीबी दूर करने और भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए नीतियों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक विधायी शक्ति मिली, क्योंकि देश वित्तीय संकट से उबर रहा है। दशकों से पारिवारिक पार्टियों के वर्चस्व वाले देश में राजनीतिक रूप से बाहरी व्यक्ति दिसानायके ने सितंबर में द्वीप के राष्ट्रपति चुनाव में आसानी से जीत हासिल की। लेकिन उनके मार्क्सवादी झुकाव वाले गठबंधन, नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के पास गुरुवार के चुनाव से पहले संसद की 225 सीटों में से केवल तीन सीटें थीं, जिसके कारण उन्हें इसे भंग करना पड़ा और नए जनादेश की मांग करनी पड़ी।श्रीलंका के चुनाव आयोग की वेबसाइट पर नवीनतम परिणामों से पता चला कि एनपीपी ने गुरुवार के चुनाव में लगभग 62 प्रतिशत या 6.8 मिलियन वोट प्राप्त करते हुए 107 सीटें जीतीं, जिससे वे संसद में बहुमत के आंकड़े को पार कर गए। गठबंधन के पास दो–तिहाई बहुमत दिखाई दिया। मतदाता आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत 22 निर्वाचन क्षेत्रों से संसद के लिए 196 सदस्यों को सीधे चुनते हैं। शेष 29 सीटें प्रत्येक पार्टी द्वारा प्राप्त द्वीप–व्यापी आनुपातिक वोट के अनुसार आवंटित की जाएंगी। गुरुवार को अपना वोट डालने के बाद दिसानायके ने कहा, ष्हम इसे श्रीलंका के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखते हैं। हम एक मजबूत संसद बनाने के लिए जनादेश की उम्मीद करते हैं, और हमें विश्वास है कि लोग हमें यह जनादेश देंगे। श्रीलंका की राजनीतिक संस्कृति में सितंबर में बदलाव शुरू हुआ है, जिसे जारी रखना चाहिए। राजधानी कोलंबो के बाहरी इलाकों में आतिशबाजी जलाने वाले कुछ एनपीपी वफादारों को छोड़कर, जश्न काफी हद तक शांत रहा। 17 मिलियन से अधिक श्रीलंकाई पांच साल के कार्यकाल के लिए सांसदों को चुनने के पात्र थे। 22 चुनावी जिलों में रिकॉर्ड 690 राजनीतिक दल और स्वतंत्र समूह चुनाव लड़ रहे थे। विपक्षी नेता सजीथ प्रेमदासा की समागी जन बालावेगया पार्टी, जो दिसानायके के गठबंधन की मुख्य प्रतिद्वंद्वी है, ने 28 सीटें जीतीं और लगभग 18: वोट प्राप्त किए। पिछले राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वारा समर्थित न्यू डेमोक्रेटिक फ्रंट ने केवल तीन सीटें जीतीं।

संभावित आर्थिक सुधार

श्रीलंका आम तौर पर आम चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी का समर्थन करता है, खासकर अगर राष्ट्रपति के मतदान के तुरंत बाद मतदान होता है। राष्ट्रपति के पास कार्यकारी शक्ति होती है, लेकिन दिसानायके को अभी भी एक पूर्ण कैबिनेट नियुक्त करने और करों में कटौती, स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करने और गरीबी से लड़ने के प्रमुख वादों को पूरा करने के लिए संसदीय बहुमत की आवश्यकता होती है। उनकी श्रीलंका की विवादास्पद कार्यकारी अध्यक्षता को समाप्त करने की भी योजना है, लेकिन इसे लागू करने के लिए संसद में दो–तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। 22 मिलियन की आबादी वाला देश श्रीलंका 2022 में विदेशी मुद्रा की भारी कमी के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहा है, जिसके कारण उसे सॉवरेन डिफॉल्ट में धकेल दिया गया और 2022 में इसकी अर्थव्यवस्था 7.3: और पिछले साल 2.3: सिकुड़ गई। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (प्डथ) से 2.9 बिलियन डॉलर के बेलआउट कार्यक्रम से प्रेरित होकर, अर्थव्यवस्था ने एक अस्थायी सुधार शुरू कर दिया है, लेकिन जीवन की उच्च लागत अभी भी कई लोगों, विशेष रूप से गरीबों के लिए एक गंभीर मुद्दा है। दिसानायके का लक्ष्य आयकर पर लगाम लगाने और संकट से सबसे अधिक प्रभावित लाखों लोगों के कल्याण में निवेश करने के लिए धन मुक्त करने के लिए प्डथ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों में बदलाव करना भी है। लेकिन निवेशकों को चिंता है कि प्डथ बेलआउट की शर्तों पर फिर से विचार करने की उनकी इच्छा भविष्य के संवितरण में देरी कर सकती है, जिससे श्रीलंका के लिए प्डथ द्वारा निर्धारित 2025 में सकल घरेलू उत्पाद के 2.3: के प्रमुख प्राथमिक अधिशेष लक्ष्य को प्राप्त करना कठिन हो जाएगा।

एलन मस्क ने न्यूयॉर्क में ईरान के यूएन राजदूत से मुलाकात की : रिपोर्ट

न्यूयॉर्क टाइम्स ने शुक्रवार को बताया कि प्रौद्योगिकी अरबपति एलन मस्क ने ईरान के संयुक्त राष्ट्र राजदूत से मुलाकात की और ईरान तथा अमेरिका के बीच तनाव कम करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रकाशन में कहा गया कि मस्क और राजदूत आमिर सईद इरावानी के बीच न्यूयॉर्क में एक गुप्त स्थान पर हुई बैठक, जो एक घंटे से अधिक समय तक चली, को दो ईरानी अधिकारियों ने सकारात्मक बताया और कहा कि बैठक दोनों देशों के बीच तनाव कम करने पर केंद्रित थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया कि ट्रम्प ने पिछले हफ़्ते यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के साथ बातचीत के दौरान टेस्ला और एक्स के मालिक मस्क को एक नई सरकारी दक्षता एजेंसी के सह–निदेशक के रूप में नियुक्त किया था, उन्होंने ही टेक अरबपति को फ़ोन सौंपा था। रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन को संचार क्षमता प्रदान करने में मस्क ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान, ट्रम्प ने ईरान और विश्व शक्तियों के बीच 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को बाहर निकाल लिया, इसे एक भयानक एकतरफा सौदा कहा जो कभी नहीं किया जाना चाहिए था, और ईरानी तेल राजस्व और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेनदेन पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए। उन्होंने 2020 में इराक में एक शीर्ष ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या का भी आदेश दिया। जवाब में, ईरान के सर्वोच्च नेता ने ट्रम्प प्रशासन के साथ किसी भी तरह की बातचीत पर प्रतिबंध लगा दिया और ईरानी अधिकारियों ने सुलेमानी की हत्या का बदला लेने की कसम खाई। संघीय अभियोजकों ने पिछले सप्ताह अदालत में दायर एक दस्तावेज में कहा कि ईरान ने चुनाव से पहले ट्रम्प की हत्या की साजिश रची थी। इस बीच, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को तेहरान में आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी के साथ बैठक में कहा कि ईरान अपने शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रश्न का समाधान करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरानी सरकारी मीडिया इरना की एक रिपोर्ट के अनुसार पेजेशकियन ने रेखांकित किया कि आईएईए की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि ईरान ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना के तहत अपनी सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है, जिसे ईरान परमाणु समझौते के रूप में भी जाना जाता है, लेकिन अमेरिका एकतरफा रूप से इससे हट गया। रिपोर्ट में एक अज्ञात ईरानी अधिकारी का हवाला देते हुए कहा गया है कि मस्क के साथ अपनी बैठक में राजदूत इरावानी ने टेक अरबपति से कहा कि उन्हें ट्रेजरी से प्रतिबंधों में छूट प्राप्त करनी चाहिए और अपने कुछ व्यवसायों को तेहरान में लाना चाहिए।

स्कूलों में बढ़ते दबाव, पारिवारिक समर्थन में गिरावट से जूझ रहे हैं किशोर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्) के नए अध्ययन के अनुसार, यूरोपीय व मध्य एशिया क्षेत्र में स्थित देशों और कनाडा में किशोर आयु के बच्चों के लिए स्कूलों में दबाव बढ़ रहा है, जबकि उनके लिए परिवार व मित्रों के समर्थन में कमी आ रही है। स्कूली आयु के बच्चों में स्वास्थ्य व्यवहार नामक यह सर्वेक्षण लगभग 44 देशों में 11, 13, और 15 वर्ष की आयु के करीब दो लाख 80 हजार युवाओं से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित है। यह रिपोर्ट, किशोरों के स्वास्थ्य–कल्याण पर बढ़ते संकट को उजागर करती है, जिससे लड़कियां और आर्थिक रूप से वंचित किशोर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। यूरोप में WHO के क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर हैंस क्लूगे ने कहा, आज के किशोर अपने सामाजिक परिवेश में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसका उनके स्वास्थ्य और भविष्य की सम्भावनाओं पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा, ष्इस रिपोर्ट के निष्कर्ष, हमारे लिए एक चेतावनी की तरह हैं कि हमारे युवजन जिन हालात में बड़े हो रहे हैं, उन्हें सुधारने के लिए हमें तुरंत कार्रवाई करनी होगी। किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास के लिए परिवार और साथियों का समर्थन महत्वपूर्ण है, फिर भी रिपोर्ट में दोनों में चिंताजनक गिरावट देखने को मिली है। 2021 से 2022 के बीच, केवल 68 प्रतिशत किशोरों को अपने परिवारों से समर्थन महसूस हुआ, जबकि 2018 में यह आंकड़ा 73 प्रतिशत पर था। लड़कियों के लिए यह गिरावट और भी तेज़ थी. केवल 64 प्रतिशत ने मज़बूत पारिवारिक समर्थन महसूस किया, जबकि 2018 में यह संख्या 72 प्रतिशत थी। सहपाठियों से समर्थन में भी तीन प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट, खासतौर पर बड़े किशोर वर्ग के बीच अधिक स्पष्ट थी, जो पहले से ही मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति अधिक सम्वेदनशील हैं। रिपोर्ट दर्शाती है कि सामाजिक–आर्थिक स्थिति किशोरों के अनुभवों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें कम आय वाले किशोरों और संपन्न परिवारों के किशोरों के बीच 9 प्रतिशत का अंतर है। यह अंतर, सहपाठियों के साथ संबंधों में भी देखने को मिला, जिसमें वंचित पृष्ठभूमि वाले किशोरों को, अपने दोस्तों या सहपाठियों से समर्थन मिलने की संभावना कम ही रहती है। शैक्षणिक दबाव बढ़ रहा है, जिसके किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। अध्ययन के दौरान, 15 साल की दो–तिहाई लड़कियों ने स्कूल के काम से अत्यधिक दबाव महसूस होने की बात कही। यह 2018 में 54 प्रतिशत के मुकाबले काफी अधिक है। लड़कों ने भी बढ़ते दबाव की बात कही है, हालांकि लड़कों में इसकी दर अपेक्षाकृत कम थी। डॉक्टर इरीन गार्सिया–मोया ने कहा, ष्किशोरों पर बढ़ता दबाव एक बहुआयामी मुद्दा है। लड़कियां अक्सर अकादमिक उत्कृष्टता और पारम्परिक सामाजिक की भूमिकाओं की अपेक्षाओं के बीच फंस जाती हैं। जबकि लड़कों पर अक्सर मजबूत और आत्मनिर्भर दिखने का दबाव होता है, जिससे वो आवश्यक समर्थन मांगने से हिचकिचाते हैं।ष् रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि लड़कियों को अपने शिक्षकों से समर्थन मिलने की संभावना कम होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में यूरोप के राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों एवं प्रणाली निदेशक, डॉक्टर नताशा अजोपार्डी–मस्कट ने चेतावनी देते हुए कहा, यह रिपोर्ट, किशोर लड़कियों के लिए समर्थन प्रणालियों में एक गंभीर और बढ़ती खाई की ओर इशारा करती है, जो न केवल स्कूल से बढ़ते दबावों का सामना करती हैं, बल्कि परिवार एवं शिक्षकों से भी उन्हें कम ही समर्थन हासिल होता है। डब्लूएचओ क्षेत्रीय निदेशक, डॉक्टर हैंस क्लूगे ने कहा, हमारी रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि इन चुनौतियों का सामना कोई भी क्षेत्र या उद्योग अकेले नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में तुरंत, समन्वित रूप से प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा, सुरक्षित और अधिक समावेशी स्कूली माहौल बनाना, आवश्यकतानुसार आर्थिक समर्थन प्रदान करना और लैंगिक रूप से संवेदनशील उपाय लागू करना, इन सभी उपायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक नीति के विभिन्न क्षेत्रों की भागेदारी जरूरी है।

'भारत में हर कोई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित', डॉ. स्वामीनाथन बोलीं– महिलाओं और बच्चों को ज्यादा खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि भारत में लगभग हर कोई अब जलवायु परिवर्तन के खतरों से प्रभावित है। उन्होंने इससे निपटने के लिए अंतर–मंत्रालयी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के समन्वित प्रयासों की तुरंत जरूरत पर बल दिया। स्वामीनाथन ने महिलाओं और बच्चों को इन जलवायु–संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बताया।

महिलाओं और बच्चों को विशेष खतरा

अजरबैजान की राजधानी बाकू में वैश्विक जलवायु वार्ता सम्मेलन ब्व्29 का आयोजन हो रहा है। इसी सम्मेलन से इतर एक बातचीत में डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि भारत में व्यावहारिक रूप से हर कोई अब जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति संवेदनशील है, चाहे बहुत ज्यादा गर्मी हो या फिर बैक्टीरिया या वायरस जनित बीमारियां। इससे निपटने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि कैसे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को खाना पकाने के लिए ठोस ईंधन पर निरंतर निर्भरता के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी के लिए स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच एक प्राथमिकता है। साथ ही साफ पेयजल और बुनियादी ढांचे में निवेश की जरूरत है।

भारत की 80 फीसदी आबादी झेल रही जोखिम भारत में जलवायु परिवर्तन के असर से वायु प्रदूषण के कारण सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ा है। साथ ही बाधित कृषि चक्रों से कुपोषण की समस्या भी पैदा हुई है। स्वामीनाथन ने कहा कि भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी अब इन जोखिमों के खतरे से जूझ रही है। देश के शहरों में अर्पयाप्त आवास और सफाई और ग्रामीण इलाकों में बाढ़ और चरम मौसम के चलते खतरा बढ़ा है। डॉ. स्वामीनाथन ने सरकारों से सेहत पर फोकस करने की अपील की और हरित सार्जनिक परिवहन पर जोर दिया।

भारत के साथ संबंधों को तरजीह देंगे ट्रंप, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कहां हो सकती है दिक्कत

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद भारत में इस बात की चर्चा है कि ट्रंप के कार्यकाल में भारत के साथ अमेरिका के रिश्ते कैसे रहेंगे। अधिकतर विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मौजूदा आर्थिक ताकत और भू राजनीति में इसकी अहमियत को देखते हुए भारत और अमेरिका के संबंधों में और बेहतरी होने की ही संभावना है। अब ट्रंप के साथ पिछले कार्यकाल में काम कर चुकीं और दक्षिण और मध्य एशिया के मामलों की जानकारी लीजा कर्टिस ने भी कहा है कि ट्रंप अपने पहले कार्यकाल की तरह ही इस कार्यकाल में भी भारत के साथ अपने रिश्तों को अहमियत देंगे। लिजा कर्टिस साल 2017 से 2021 के बीच डोनाल्ड ट्रंप की सलाहकार और दक्षिण एवं मध्य एशिया की सुरक्षा परिषद की निदेशक रह चुकी हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।